mediaauditornews@gmail.com | Epaperdainikmediaauditor.in | वर्ष-02 अंक-76 | पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
19 मार्च 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली और इंदौर मे आग लगने से 17 लोगो की मौत

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें:इनमें 3 लड़कियां

दमकल ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया, दो ने छलांग लगाकर जान बचाई

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। इन्हें गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि, घायलों और अंदर फंसे लोगों की संख्या को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

अधिकारी बोले- नीचे लपटें और ऊपर घना धुआं था

दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी एस. के. दुआ ने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। जब हमारी पहली टीम मौके पर पहुंची, तो नीचे आग की लपटें और ऊपर घना धुआं था। हमारे पहुंचने से पहले दो लोग इमारत से कूद गए थे, जिन्हें लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग घायल हैं। आग पर अब पूरी तरह काबू पा लिया गया है, हालांकि कूलिंग ऑपरेशन जारी है। इसके बाद बिल्डिंग में एक बार फिर सर्च और रेस्क्यू किया जाएगा। वहीं, NDRF के डिप्टी इंस्पेक्टर विक्की रांगा ने कहा बताया कि वे 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गए थे। तब तक दिल्ली फायर सर्विस और अन्य एजेंसियां आग बुझाने में लगी थीं। बिल्डिंग अंदर से काफी क्षतिग्रस्त हो गई है, ऐसे में रेस्क्यू ऑपरेशन करना बड़ी चुनौती है। एहतियात के तौर पर आसपास की इमारतों को भी खाली करा लिया गया है।

दो घायलों का इलाज IGI अस्पताल में चल रहा : न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक, बिल्डिंग के बेसमेंट, ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर कपड़े और कॉस्मेटिक सामान के स्टोरेज के लिए किया जा रहा था। सेकेंड और थर्ड फ्लोर पर लोग रहते थे। चौथे फ्लोर पर एक टिन शेड बना हुआ था। आग की लपटें वहां तक पहुंच गई थीं।

घटना में मारे गए 8 लोगों के शव मणिपाल अस्पताल और एक महिला का शव IGI अस्पताल लाया गया था। घायलों में दो का इलाज IGI अस्पताल में चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति को 25% झुलसने के साथ सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख मुआवजे का ऐलान किया

पालम आग हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से 2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार दिए जाएंगे। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की मदद करने की अपील की।

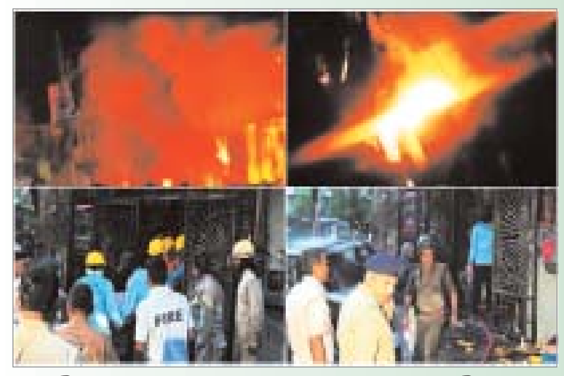

इंदौर में ईवी चार्जिंग के दौरान घर जला, 8 मौतें:4 घायल

घर के डिजिटल लॉक नहीं खुले; लोग अंदर फंसे रह गए

इंदौर, एजेंसी। इंदौर में इलेक्ट्रिक कार (टाटा पंच) में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है।

पुलिस के अनुसार, कार से घर तक फैली आग ने अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं।

प्रधानमंत्री ने घटना पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख के मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ है।

ईरान ने मोसाद के जासूस को फांसी दी

संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें भेजी थीं; इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल अटैक

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। ईरान में एक आदमी को इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी के आरोप में फांसी दी गई है। तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उसने देश के संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें और अहम जानकारी मोसाद को भेजी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी को पिछले साल जून में सवजबलाघ शहर से गिरफ्तार किया गया था, जब ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन का युद्ध चल रहा था। से स्वीडन में ऑनलाइन भर्ती किया गया था और एक ट्रैवल लिंक के जरिए उससे संपर्क किया गया था। इसी बीच ईरान ने अपने बड़े नेता अली लारिजानी की मौत के बाद इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल अटैक किया है। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने बताया कि उसने इजराइल पर 'खोर्रमशहर-4' जैसी मिसाइल दागी है।

इजराइल का कहना है कि उसने कई मिसाइलों को हवा में रोक लिया, लेकिन कुछ शहरों में मलबा गिरने से हादसे हुए हैं जिनमें 2 लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकाने पर 2200kg का बम गिराया

ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर मंगलवार रात को मिसाइल अटैक किया। ईरान का कहना है कि यह हमला लारिजानी, उनके बेटे और बसीज फोर्स के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी की मौत का बदला है। इसी बीच अमेरिका ने भी बड़ा एक्शन लिया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की कोशिश में समुद्र किनारे बने ईरानी मिसाइल ठिकानों पर करीब 2200 किलो वजनी खतरनाक बम गिराया, जो जमीन के अंदर बने ठिकानों को भी तबाह कर देता है।

गुजरात विधानसभा परिसर में बम की धमकी:

ईमेल में लिखा- मुंद्रा पोर्ट पर मिसाइल हमले करेंगे, मोदी-शाह-सीएम को बताया हिंदू चरमपंथी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में कई अहम स्थानों को बम ब्लास्ट से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार सुबह आए ईमेल के बाद गांधीनगर में विधानसभा को खाली करवाकर चेक किया। इसके साथ मुंद्रा पोर्ट पर सुरक्षा को अलर्ट किया गया। ईमेल में अहमदाबाद के स्कूलों में भी ब्लास्ट की धमकी दी गई है।

ईमेल में कच्छ जिले के मुंद्रा पोर्ट पर खड़े एलपीजी टैंकर को मिसाइल से उड़ाने की भी धमकी दी गई है। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल को गुजराती हिंदू चरमपंथी बताया गया है।

अहमदाबाद में स्कूलों को भी दी धमकी

ईमेल में अहमदाबाद के तीन स्कूलों में ब्लास्ट की धमकी दी गई है। इन स्कूलों में मेमनगर स्थित महाराजा अग्रेशन स्कूल, घाटलोडिया स्थित कैलोरेक्स स्कूल और शांति एशियन स्कूल के नाम शामिल हैं। जांच टीमों ने तीनों स्कूलों की भी जांच की, लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला।

असम में भाजपा 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

केरल में आप की दूसरी लिस्ट, इसमें 21 नाम; बंगाल में ममता ने 74 विधायकों के टिकट काटे

गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी आज कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। पार्टी 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि असम गण परिषद (एजीपी) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भाजपा बाकी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बुधवार को हमारी संसदीय बोर्ड की बैठक है। लिस्ट देर रात या अगली सुबह घोषित की जाएगी।

इस बीच असम में कांग्रेस से लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

केरल में AAP ने कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट जारी की

केरल विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने 21 कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट जारी की है। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से सामिन सत्यदास और एर्नाकुलम से मोसेस हेनरी मोथा को टिकट दिया है।

इससे पहले गुरुवार को पार्टी ने 22 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। कांग्रेस और बीजेपी भी केरल में पहले कैंडिडेंट्स की लिस्ट जारी कर चुकी है।

बंगाल में TMC ने 291 सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे

तृणमूल कांग्रेस पार्टी (TMC) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की कुल 294 सीटों में से 291 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया। बाकी 3 सीटें सहयोगी बीजीपीएम को दी हैं। ममता ने 74 विधायकों (करीब एक तिहाई) के टिकट काट दिए हैं। 15 विधायकों की सीटें बदली गई हैं।ममता बनर्जी भबानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उनका मुकाबला भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से होगा। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में सुवेंदु ने ममता को नंदीग्राम सीट पर हरा दिया था।पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में मौजूदा विधायक शौकत मोल्ला को कैनिंग पूर्व विधानसभा क्षेत्र से टिकट न दिए जाने के बाद उनके समर्थकों ने प्रदर्शन किया। ङ्गस्ष्ट कार्यकर्ताओं ने सड़क पर टायर जलाए और नारेबाजी की।

असम कांग्रेस के प्रद्युत बोरदोलोई ने भाजपा जॉइन की

कहा- अपमानित महसूस कर रहा था; ईसी ने बंगाल में 13 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने बुधवार को बीजेपी जॉइन कर लिया। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था।

वे असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मुझे घुटन महसूस हो रही थी। मेरा अपमान किया जा रहा था।

बीजेपी आज कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। पार्टी 126 विधानसभा सीटों में से 89 पर चुनाव लड़ेगी।

सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि असम गण परिषद (एजीपी) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भाजपा बाकी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बुधवार को हमारी संसदीय बोर्ड की बैठक है। लिस्ट देर रात या अगली सुबह घोषित की जाएगी।इधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने 13 ढ्ढस् अधिकारियों का तबादला कर दिया। आयोग ने कई जिलों में नए जिला मजिस्ट्रेट (DM) नियुक्त किए हैं, जिन्हें जिला चुनाव अधिकारी (DEO) की जिम्मेदारी भी दी गई है।

'केदारनाथ में सारा अली खान को एफिडेविट से मिलेगी एंट्री'

BKTC अध्यक्ष बोले-सनातन में आस्था रखने वालों का स्वागत; फोटोग्राफी के लिए तय होगी जगह

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में गैर-सनातनियों के प्रवेश को लेकर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) ने एक सब-कमेटी गठित कर दी है, जो एक खास एसओपी तैयार कर रही है। इस एसओपी के आधार पर उन लोगों के प्रवेश को वर्जित किया जाएगा जो सनातन धर्म में आस्था नहीं रखते।इसी दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान को भी केदारनाथ में एंट्री नहीं मिलेगी? तो इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा-

केदारनाथ में एंट्री के लिए सारा अली खान को पहले एफिडेविट देकर यह बताना होगा कि उनकी सनातन धर्म में आस्था है। वहीं, इस मामले पर कांग्रेस प्रवक्ता सुजाता पॉल ने कहा कि उत्तराखंड जैसा राज्य, जो महिलाओं के बलिदान से बना है, वहां किसी भी श्रद्धालु की आस्था पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

मार्च के पहले हफ्ते में एलपीजी की खपत 17% घटी:पेट्रोल 13%-डीजल 8% ज्यादा बिका

कमर्शियल सिलेंडर महंगे होने से 57% रेस्टोरेंट्स ने दाम बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में मार्च के पहले हफ्ते में लिक्विफाइट पेट्रोलियम गैस(LPG) की खपत 17% घटी है। ये असर वेस्ट एशिया में बने जंग के हालातों की वजह से हुआ है। 90% मार्केट शेयर वाली 3 सरकारी कंपनियों के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में LPG की खपत कम हुई है।

मार्च की इस अवधि में LPG की खपत 1.147 मिलियन टन रही, जबकि पिछले साल इसी समय में ये 1.387 मिलियन टन थी। फरवरी के पहले पखवाड़े की तुलना में मार्च में 26.3% कम खपत रही। दूसरी तरफ, पेट्रोल-डीजल की मांग बढ़ी। पेट्रोल की बिक्री 13.2% बढ़कर 1.5 मिलियन टन और डीजल की बिक्री 8.2% बढ़कर 3.384 मिलियन टन रही।वहीं, लोकलसर्कल्स सर्वे के मुताबिक कमर्शियल गैस की किल्लत से देशभर में खाना महंगा हुआ है। लागत बढ़ने की वजह से एक हफ्ते में 57% रेस्टोरेंट्स, 54% स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ा दिए हैं।

राज्यसभा में 59 सांसदों को विदाई

पीएम बोले-सदन एक यूनिवर्सिटी:खड़गे ने पूर्व पीएम देवगौड़ा से कहा- आपने मोहब्बत हमारे साथ की, शादी मोदीजी के साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी गई। इनमें पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, सभापति हरिवंश, आरपीआई नेता रामदास आठवले शामिल हैं। हालांकि पवार और आठवले राज्यसभा के लिए फिर चुन लिए गए हैं।

इस दौरान पीएम मोदी ने संसद को एक ओपन यूनिवर्सिटी बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं होता। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। आपका अनुभव हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बना रहेगा।

खड़गे ने देवगौड़ाजी पर कहा- आपने मोहब्बत हमारे साथ की, शादी मोदीजी के साथ

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा से कहा, 'मैं सबसे पहले देवगौड़ाजी का उल्लेख करना चाहूंगा। मुझे पता नहीं कि उन्हें क्या हुआ, मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की। शरद पवार दोबारा इस सदन में आएंगे।

एक शेर भी पढ़ा-

विदाई तो है दस्तूर जमाने का पुराना,

अपनी छाप कुछ ऐसे छोड़ जाना कि हर कोई गाए तुम्हारा तराना।

खड़गे की स्पीच के बाद पीएम ने कहा, 'खड़गेजी ने एक अपेक्षा रखी थी। मैं उस अपेक्षा को पूरा करूंगा। कर्म ऐसा करो मन में जहां से गुजरे तुम्हारी रजनी, उधर से तुमको सलाम आए।

मोदी ने कहा- संकट के समय काम हरिवंशजी के जिम्मे आता है

पीएम मोदी ने कहा, हमारे उपसभापति हरिवंशजी को लंबे समय तक इस सदन में जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला। मृदुभाषी हैं। संकट के समय काम उनके ही जिम्मे आता है कि आप संभाल लेना जरा। उनको एक लंबा अनुभव होता है। सबको भली भांति जान लेते हैं। लेकिन उनका भी योगदान है। मैंने देखा है कि सदन का समय नहीं होता तो कहीं न कहीं वे देश के यूथ से मिलना जुलना करते रहे हैं। वे काम के धनी तो हैं ही कर्म कठोर के नाते भारत के हर कोने में जाकर काम किया है।कभी हम सुनते थे कि सदन में हास्य विनोद का अवसर मिलता रहता है। मीडिया की दुनिया ऐसी है कि हर कोई कॉन्शियस रहता है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे आगे भी ऐसा व्यंग्य विनोद करते रहेंगे। हर 2 साल के बाद एक बड़ा समूह सदन से जाता है। लेकिन जो नया समूह आता है, उनको 4 साल से मौजूद साथियों से सीखने का मौका मिलता है। इसलिए यहां की जो विरासत है वो कंटीन्यू सदस्यों को मिलती रहती है।

खड़गे ने कहा- यहां बोली गई हर बात सीखने लायक है

खड़गे ने कहा, 'मैं खुद अपने संसदीय जीवन में पहली बार इस सदन का सदस्य बना हूं। 2022 से नेता प्रतिपक्ष बना हूं। जल्द ही मेरा कार्यकाल पूरा होने वाला है। जो मेरा अनुभव है वह सबसे अलग है। यहां जो बातें बोली जाती हैं वह सीखने लायक हैं। 39 साल असेंबली में था। उसके बाद यहां आया। मेरा 55वां साल चल रहा है।अपने पूरे संसदीय जीवन में नियमित रूप से सदन में मौजूद रहने और चर्चाओं में भाग लेने की कोशिश करता हूं, क्योंकि हमको कुछ अनुभव मिलता है।

बंगाल पुलिस महकमे में मची खलबली, चुनाव आयोग ने 13 जिलों के एसपी समेत 19 अधिकारियों का किया तबादला

कोलकाता, एजेंसी। चुनाव की घोषणा के दूसरे दिन भी निर्वाचन आयोग एक्शन में दिखा। आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए बंगाल और केरल के बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों को हटा दिए है। आयोग ने इस दौरान बंगाल के 13 जिलों के एसपी व एसएसपी को हटा दिया है, वहीं आइजी स्तर के भी छह अधिकारियों को हटाते हुए उनकी जगह नए अधिकारियों की तैनाती दी है। आयोग इसके साथ ही केरल के भी कई जिलों के निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधिकारियों को हटा दिया गया है। इससे पहले बंगाल में इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव का भी तबादला किया जा चुका है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को आइपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं के जयरामन को उत्तर बंगाल के एडीजी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों 1997 बैच के वरिष्ठ आइपीएस

अधिकारी हैं। आसनसोल-दुर्गापुर, हावड़ा, बराकपोर और चंदननगर जिलों में भी नए कमिश्नर ऑफ पुलिस की नियुक्ति की गई है। 13 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी ताजा फेरबदल में बदले गए हैं। विधानसभा चुनाव की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद निर्वाचन आयोग ने बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पद से हटा दिया था। आयोग ने साफ किया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों अधिकारी किसी भी चुनाव संबंधी काम में शामिल नहीं हो सकेंगे। नंदिनी चक्रवर्ती की जगह 1993 बैच के आईएएस अधिकारी दुश्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। 1997 बैच की अधिकारी संघमित्रा घोष को राज्य का नया गृह सचिव बनाया गया है। प्रेट्र के अनुसार, केरल में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को आइएएस और आइपीएस समेत कई अधिकारियों के तबादलों के आदेश दिए। निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को संबोधित एक पत्र में फेरबदल को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग के आदेश के अनुसार, नारायणन को कोझिकोड के जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है, जबकि थामसन जोस त्रिशूर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में कार्य करेंगे। इनबासेखर को अलाप्पुझा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। आयोग ने निर्देश दिया कि तबादले तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं और राज्य सरकार से 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने को कहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि जिन अधिकारियों का तबादला हो चुका है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक चुनाव संबंधी किसी भी कार्य में तैनात नहीं किया जाना चाहिए।

अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में तुरंत पहुंचे पर्यवेक्षक: आयोग बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा होने के बाद बढ़ी राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने पर्यवेक्षकों से 18 मार्च तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचने व उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए है। आयोग ने इसके साथ ही पर्यवेक्षकों से लोगों से मिलने के लिए प्रतिदिन अपना समय निर्धारित करने को कहा है ताकि उम्मीदवार, राजनीतिक दलों और उनके प्रतिनिधि निर्धारित समय पर चुनाव से जुड़ी शिकायतें उनके सामने रख सकें। आयोग ने इस बीच बंगाल, तमिलनाडु सहित पांचों चुनावी राज्यों में 1111 पर्यवेक्षक तैनात किए है। इनमें सबसे अधिक 478 पर्यवेक्षक अकेले बंगाल में तैनात किए है। इनमें 294 सामान्य, 84 पुलिस और 151 व्यय पर्यवेक्षक है।

वहीं तमिलनाडु में 327, असम में 136, केरल में 108 और पुडुचेरी में 38 पर्यवेक्षक तैनात किए है। पांचों राज्यों में तैनात किए गए 1111 पर्यवेक्षकों में से 557 सामान्य, 188 पुलिस और 366 व्यय पर्यवेक्षक शामिल है। आयोग ने पहली बार पांच राज्यों में बड़ी संख्या में पुलिस पर्यवेक्षक लगाए है। आयोग इस दौरान सबसे अधिक जोर हिंसा व प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने पर है।

गाजियाबाद में मासूम के हत्यारोपित ने पुलिस पर किया हमला

जवाबी फायरिंग में हुआ घायल

गाजियाबाद, एजेंसी। नंदग्राम थानाक्षेत्र में सोमवार रात चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपित गौरव प्रजापति ने घटनास्थल पर बरामदगी के दौरान पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में वह दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद के मुताबिक आज आरोपित गौरव द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उसने नाबालिग बच्ची की हत्या की है तथा हत्या करने के बाद अपने खून से सने हाथों को एक रुमाल से साफ करके घटनास्थल के पास झाड़ियों में फेंका है। आरोपित की निशानदेही पर बरामदगी के लिए पुलिस टीम उसे घटनास्थल पर लेकर आई जहां उसने पहले से ही छिपाये गये अवैध हथियार से पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की गई जिसमे आरोपित के दोनो पैरों मे गोली लगी है। आरोपित के पास से अवैध हथियार एवं कारतूस बरामद किये गये है।

भारत में आतंकी हमलों की बड़ी साजिश का पर्दाफाश

ISI-जैश-ए-मोहम्मद का कनेक्शन आया सामने

साहिबाबाद, एजेंसी। भारत में आतंकी हमलों की साजिश के पीछे आईएसआई व जैश-ए-मोहम्मद का गठजोड़ सामने आया है। सूत्र बता रहे हैं कि आईएसआई जैश की मदद से देश भर में आतंकी हमलों की साजिश रच रहा था। अंदेशा है कि हमलों से पहले की प्लानिंग जासूसी के माध्यम से आईएसआई कर रहा था जबकि हमलों को अंजाम जैश को देना था। इसके लिए जैश अपना नेटवर्क भारत में स्थापित कर रहा था। जैश-ए-मोहम्मद देश में हमलों के लिए डिजिटल स्लिपर सेल माड्यूल तैयार कर रहा है जबकि आईएसआई फिजिकल नेटवर्क माड्यूल के माध्यम से विभिन्न सैन्य ठिकानों की रेकी करा रहा था। जैश देश विरोधी व जिहादी विचारधारा के लोगों को नेटवर्क से जोड़ रहा था। ये नेटवर्क आतंकी हमलों में मददगार साबित होता। मसूरी के नाहल और कौशांबी क्षेत्र में देश विरोधी गतिविधियों व जासूसी में पकड़े गए गिरोहों के बाद इसका पर्दाफाश हुआ है। मसूरी से भी आरोपितों का सीधे जैश व आतंकी फरातुल्ला घोरी से कनेक्शन सामने आया था। जैश के ट्रेनिंग कैंप के वीडियो

प्रसारित किए जा रहे थे। जांच बढ़ने के साथ बड़ी और व्यापक स्तर पर हमलों की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। इसके बाद जांच में एनआईए के साथ आर्मी इंटेलीजेंस भी जुट गई है। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियां व देश भर के राज्यों की एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं पता चला है कि कनाडा में बैठकर साजिश रच रहा पाकिस्तानी आईएसआई का एजेंट भारतीय सिम इस्तेमाल कर रहा है और वह अपने गुर्गों से इंटरनेट कॉलिंग के माध्यम से बातचीत करता है। इस कारण उसकी लोकेशन भी अलग-अलग देशों की आ रही है, लेकिन पता चला है कि वह काफी समय से कनाडा में रह रहा है। जासूसी से जुड़ा नेटवर्क केवल रेलवे स्टेशनों की ही नहीं बल्कि सेना के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए मुंबई पोर्ट की भी रेकी कर रहा था। आरोपितों ने मुंबई बंदरगाह के आसपास की रेकी कराई और कई वीडियो तैयार कर पाकिस्तान भेजे। इसके साथ ही नौसेना युद्धपोतों व पनडुब्बियों की वीडियो भी बनाई गई। यहां की रेकी को लेकर सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई हैं। 26/11 को हुए मुंबई हमले में भी आतंकियों ने मुंबई पोर्ट को अपने भारत आने का माध्यम बनाया था। सैन्य ठिकानों के साथ देश में अन्य स्थानों पर भी हमलों की साजिश थी। इसके साथ ही कर्नाटक में कैंट और आर्मी ठिकानों की रेकी की भी पुष्टि हुई है। कर्नाटक के भी कई स्थानों की लोकेशन व वीडियो पाकिस्तान आईएसआई को भेजी गई हैं। वहीं राजस्थान और पंजाब में भी कई स्थानों पर रेकी की गई और वीडियो व लोकेशन ली गई हैं।

सेना के मूवमेंट पर निगाह रखने के लिए आरोपित कैंट के आसपास के रेलवे स्टेशनों पर निगाह रख रहे थे। सैन्य ठिकानों के आसपास की सबसे अधिक रेकी हो रही थी। कैंट, इसके आसपास की भौगोलिक स्थित, सैनिकों के मूवमेंट, आसपास के रास्तों की वीडियो बनाकर आका को भेजी जा रही थीं। इसके साथ ही सैनिकों के लिए चलने वाली ट्रेन, सेना के जवान किस समय पर अधिक छुट्टी जाते हैं समेत अन्य बिंदुओं पर निगाह रखने के लिए स्टेशनों पर कैमरे लगाए गए और वहां की लोकेशन व वीडियो साझा की गई। सूत्र बता रहे हैं जांच में दिल्ली, मेरठ, अंबाला कैंट की जानकारी मिली है। गिरोह से जुड़े आतंकी जरूरतमंद व कम पढ़े लिखे युवाओं व किशोरों को बरगला रहे हैं।

हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से शुरू

बीजेपी-कांग्रेस के बीच टकराव संभव

शिमला, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के बाद हिमाचल प्रदेश के सामने उत्पन्न स्थिति को लेकर बचाव की स्थिति में रही भाजपा आज से सदन में आक्रामक तेवरों के साथ नजर आएगी। दरअसल, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण आज, 18 मार्च से शुरू होने जा रहा है। दूसरे चरण की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के साथ होगी।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 मार्च को राज्य का बजट पेश करेंगे, जिस पर चर्चा के बाद 30 मार्च को मतदान करवाया जाएगा। विपक्ष की ओर से सरकार पर सदन के भीतर व बाहर झूठ बोलने की टिप्पणियां सार्वजनिक तौर पर की जा रही है। ऐसे में तय माना जा रहा है कि प्रश्नकाल के दौरान भाजपा पूरी तैयारी के साथ सरकार को घेरने के लिए कमर कसकर आएगी। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होनी है। चर्चा में कांग्रेस विधायक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राज्य को विकास की राह पर लेकर जाने के लिए मुख्यमंत्री के साथ दीवार की तरह खड़ी नजर आएगी।

हिमाचल सरकार का बड़ा फैसला

निगम-बोर्ड के अध्यक्षों-उपाध्यक्षों, सलाहकारों के कैबिनेट रैंक रद, 20 प्रतिशत वेतन भी रोका

शिमला, एजेंसी। हिमाचल सरकार ने सलाहकार, ओएसडी सहित निगम-बोर्डों में नियुक्तियां की है। सलाहकार व ओएसडी पदों पर कुल 14 नियुक्तियां और निगम-बोर्डों में 29 अध्यक्ष-उपाध्यक्षों की नियुक्तियां हुई हैं। प्रदेश सरकार के आदेशों के तहत जिन लोगों के वेतन से कटौती होगी, उनमें मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, रितेश कपरेट, दिल्ली में नियुक्त वांष्टु, चंडीगढ़ में नियुक्त मीडिया कॉर्डिनेटर यशपाल शर्मा सहित कई दूसरे लोग भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकारों में शामिल प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, सलाहकार आधारभूत अनिल कपिल भी हैं। सरकार की ओर से आठ बोर्ड-निगम व आयोग में अध्यक्ष नियुक्ति हैं और शेष 21 लोगों को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वर्तमान सरकार ने अध्यक्ष व उपाध्यक्षों को मासिक 80 हजार रुपये वेतन निर्धारण किया है, जबकि पिछली सरकार में 30 हजार रुपये वेतन दिया जाता था। राज्य सन्निर्माण एवं कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कंवर को 1.30 लाख मासिक वेतन प्रदान किया है।

'मुफ्त बिजली और बेतहाशा दोहन ने पंजाब-हरियाणा को सुखाया',

भूजल संकट पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने जताई गहरी चिंता

चंडीगढ़, एजेंसी। राज्य में कृषि ट्यूबवेलों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने और इसके कारण भूजल के अत्यधिक दोहन के मुद्दे पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड को चार हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। एक याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि जब भूजल की उपलब्धता से अधिक उसका दोहन हो रहा है, तो यह स्थिति आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत खतरनाक है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि राज्य की नीति के अनुसार किसानों को केवल धान के सीजन में सीमित समय के लिए मुफ्त बिजली दी जानी चाहिए, लेकिन जमीनी स्तर पर कई स्थानों पर 24 घंटे मुफ्त बिजली का उपयोग किया जा रहा है। अदालत को बताया गया कि तरनतारन जिले के पट्टी क्षेत्र में लगभग 300 ऐसे कृषि कनेक्शन हैं, जहां 24 घंटे मुफ्त बिजली का उपयोग हो रहा है। यह बिजली का उपयोग केवल ट्यूबवेल तक सीमित नहीं है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि इस अनियंत्रित मुफ्त बिजली के कारण दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तरफ बिजली की खपत बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पंजाब में कुल भूजल रिचार्ज 18.84 बीसीएम था, जबकि दोहन 27.8 बीसीएम तक पहुंच गया, जो स्पष्ट रूप से अधिक है। राज्य की ओर से जवाब देते हुए बताया गया कि लंबे समय से नए कृषि ट्यूबवेल कनेक्शन जारी नहीं किए गए हैं।

यूएस के बंकर बस्टर बम से बौखलाया ईरान: इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से किया हमला; होर्मुज क्षेत्र में तनाव बढ़ा

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल के मध्य इलाके पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने जानकारी दी कि रामत गन शहर में मिसाइल के टुकड़े गिरने से एक पुरुष और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पैरामेडिक्स ने मौके पर पहुंचकर उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिसाइल का मलबा तेल अवीव के उत्तर में स्थित बेनी ब्रैक शहर में भी गिरा। यहां एक व्यक्ति को मामूली चोटें आई

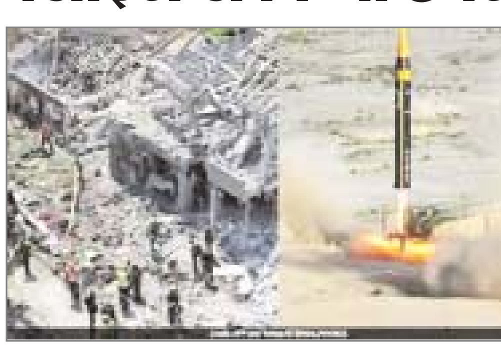

हैं। हमले के बाद इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सेना ने कहा है कि सुरक्षा निर्देशों का पालन करने से कई जानें बची हैं। बचाव दल उन जगहों पर पहुंच गए हैं जहां मिसाइलें गिरी थीं। फिलहाल लोगों को सुरक्षित जगहों (शेल्टर) से बाहर निकलने की अनुमति दे दी गई है। लेकिन साथ ही लगातार सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह भी किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने को कहा गया है।

लेबनान में हिजबुल्लाह पर की बड़ी कार्रवाई : इस बीच, इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' तेज कर दिया है। इस्राइली रायली वायुसेना ने हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चरों और उनके ठिकानों पर कई हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि उन्होंने उन लॉन्चरों को निशाना बनाया जो इस्राइल पर हमला करने की तैयारी में थे। अब तक हिजबुल्लाह के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया जा चुका है ताकि इस्राइली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : इस बीच, अमेरिका की डिपार्टमेंट ऑफ वॉर ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशों को पूरी रफ्तार और सटीकता के साथ पूरा कर रहे हैं। ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' ने ईरान की सेना को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।' अमेरिकी नौसेना के एडमिरल ब्रैड कूपर ने बताया कि उनकी वायुसेना और नौसेना ने अब तक 6,000 से ज्यादा उड़ानें भरी हैं। अमेरिका ने ईरानी आसमान पर अपना पूरा नियंत्रण बना लिया है। इस ऑपरेशन का मकसद ईरान की सैन्य ताकत को खत्म करना है।

बमबारी रुकी तो ही करेंगे मदद

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को साफ किया कि मौजूदा युद्ध जैसी परिस्थितियों में फ्रांस होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में किसी भी तरह की सैन्य भूमिका नहीं निभाएगा। उन्होंने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने सहयोगी देशों से इस रणनीतिक जलमार्ग की सुरक्षा में मदद मांगी थी। रक्षा परिषद की बैठक में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस इस संघर्ष का हिस्सा नहीं है और इसलिए वर्तमान हालात में जलडमरूमध्य को खोलने या सुरक्षित करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब स्थिति सामान्य हो जाएगी । और संघर्ष का तीव्र चरण समाप्त हो जाएगा, तब फ्रांस अन्य देशों के साथ मिलकर जहाजों को सुरक्षा देने में भूमिका निभा सकता है। इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस तरह के किसी भी मिशन के लिए ईरान के साथ तनाव कम करने और बातचीत की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि यह ईरान में चल रहे सैन्य अभियानों और बमबारी से पूरी तरह अलग होना चाहिए।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन मजदूरों की मौत

रामकृष्ण अस्पताल में हुआ हादसा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल में मंगलवार को एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की सफाई करने उतरे तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। तीनों मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ही सफाई करने उतरे थे। एक अन्य घायल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रात लगभग आठ बजे अस्पताल प्रबंधन द्वारा सफाई के लिए मजदूरों को बुलाया गया था। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के जैसे ही एक मजदूर टैंक में उतरा तो वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे बचाने के प्रयास में दो अन्य साथी भी नीचे उतरे, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। इसके बाद चौथा मजदूर मास्क लगाकर नीचे उतरा और कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। देर रात आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल के सामने पत्थरबाजी भी की। पुलिस लोगों को शांत कराने में जुटी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, एसटीपी में मीथेन और अन्य जहरीली गैसें मौजूद रहती हैं, जो कुछ ही सेकेंड में जानलेवा साबित होती है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। घटना की जानकारी मिलते ही तीनों मजदूरों के स्वजन मौके पर पहुंचे। स्वजन आरोपितों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बैंक ऑफ अमेरिका ने एपस्टीन पीड़ितों के मुकदमे का निपटारा किया, न्याय और सच्चाई दोनों की जीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। बैंक ऑफ अमेरिका ने जेफरी एपस्टीन द्वारा सैकड़ों लड़कियों और महिलाओं के यौन उत्पीड़न के दौरान संदिग्ध वित्तीय लेनदेन को नजरअंदाज करने के आरोपों से संबंधित एक मुकदमे में अस्थायी रूप से समझौता कर लिया है। इस प्रस्तावित समझौते का खुलासा मैनहट्टन संघीय अदालत में सोमवार को दायर दस्तावेजों में किया गया। यह वही दिन था जब अरबपति फाइनेंसर लियोन ब्लैक से मामले में पूछताछ की जानी थी।

समझौते की शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है। बैंक ने एक प्रवक्ता के माध्यम से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि बैंक ऑफ अमेरिका इस मामले में प्रतिवादी नहीं था, लेकिन एपस्टीन पीड़ितों की वकील सिग्रिड मैककैवले ने ब्लैक को मामले में महत्वपूर्ण गवाह बताया था। पिछले सप्ताह एक सुनवाई के दौरान, ब्लैक के वकील ने जज ज़ेड एस. राकॉफ को यह कहते हुए ब्लैक की पूछताछ को 10 दिनों के लिए स्थगित करने के लिए राजी किया कि पक्षकार समझौते के करीब थे। ब्लैक के वकील, माइकल कारलिंस्की ने मंगलवार को टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी। मैककैवले ने एक बयान में एपस्टीन पीड़ितों की बहादुर और निर्भीक आवाजों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि न्याय की उनकी राह लंबी और कठिन रही है, लेकिन बैंक ऑफ अमेरिका का समझौता बहुत अपेक्षित न्याय की राह पर एक और कदम है। अक्टूबर में दायर मुकदमे में बैंक पर आरोप लगाया गया था कि उसने ब्लैक द्वारा बैंक ऑफ अमेरिका खाते से एपस्टीन को कथित तौर पर कर और संपत्ति योजना सलाह के लिए भुगतान किए गए .170 मिलियन को नजरअंदाज किया। इसमें कहा गया कि बैंक ने अनुचित वित्तीय व्यवहार के कई रेड फ्लैग्स को नजरअंदाज किया और एक गैर-साजिशी बैंक जो करता उससे कहीं आगे बढ़ गया और इसके बजाय एपस्टीन को अपने यौन-तस्करी के उद्यम को संचालित करने के लिए आवश्यक वित्तीय संरचना स्थापित करने में सहायता की।

यौन शोषण और नियंत्रण का विवरण : मुकदमा, जिसे अदालत के कागजात में केवल जेन डो और अन्य सभी समान रूप से स्थित के रूप में पहचानी गई एक महिला की ओर से दायर किया गया था, में कहा गया कि महिला 2011 में एपस्टीन से मिली थी जब वह रूस में रह रही थी और उसे एक पंथ-जैसे जीवन में मजबूर किया गया था। इसमें कहा गया कि एपस्टीन ने 2011 से 2019 तक उसे वित्तीय, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से नियंत्रित करते हुए बैंक ऑफ अमेरिका खाते के माध्यम से भुगतान किया, जबकि उसने कम से कम 100 मौकों पर उसका यौन उत्पीड़न किया, जिसमें बलात्कार और उसकी यौन संतुष्टि के लिए अन्य महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करना शामिल था। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि एपस्टीन ने बैंक ऑफ अमेरिका खाते के माध्यम से उसे किराया और एक फर्जी नौकरी से आय का भुगतान किया और उसकी आप्रवासन स्थिति को उसके सिर पर तब तक लटकाए रखा, जब तक कि जेफरी एपस्टीन की मृत्यु नहीं हो गई। एपस्टीन अगस्त 2019 में यौन तस्करी के आरोपों पर मुकदमे का इंतजार करते हुए एक संघीय जेल में मर गया। उसकी मौत को आत्महत्या करार दिया गया। वह अमीर और शक्तिशाली लोगों के साथ अपने संबंधों के लिए जाना जाता था और मुकदमे में कहा गया कि उसने महिलाओं पर अपने हमलों में इसका फायदा उठाया। हाल ही में न्याय विभाग द्वारा कानून प्रवर्तन जांच से लाखों पृष्ठों के दस्तावेजों को जारी करने से पता चला है कि एपस्टीन का फ्लोरिडा में राज्य अदालत में यौन अपराधों के आरोपों में 2008 के दोषी ठहराए जाने के लंबे समय बाद भी सीईओ, पत्रकारों, वैज्ञानिकों और प्रमुख राजनेताओं के साथ नियमित संपर्क था।

लियोन ब्लैक का नाम और भूमिका : एसोसिएटेड प्रेस और अन्य समाचार संगठनों द्वारा दस्तावेजों की समीक्षा से पता चला कि ब्लैक का नाम 8,200 बार आया, हालांकि इस आंकड़े में संभवतः कुछ डुप्लिकेट रिकॉर्ड शामिल हैं। मार्च 2021 में, ब्लैक ने अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया, यह कहते हुए कि वह अपने परिवार, स्वास्थ्य और कई अन्य हितों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे।

प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही भाजपा की सफलता का आधार: वीरेंद्र गुप्ता

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत सात मंडलों में 24 घंटे के प्रशिक्षण सत्र सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत रीवा जिले के विभिन्न मंडलों–गोविन्दगढ़, गुढ़, सिरमौर, बैकुण्ठपुर, डभौरा, अतरैला एवं जवा–में प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए इस महाभियान का शुभारंभ 15 मार्च को गोविन्दगढ़ स्थित महामाया मैरिज गार्डन में किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन संभाग प्रभारी विजय दुबे, विधायक नागेन्द्र सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया प्रशिक्षण शिविर 24 घंटे की अवधि का रहा जिसमें आठ अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए इन सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति और संगठनात्मक संरचना पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया सभी मंडलों में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पर ही रात्रि विश्राम कर अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने प्रशिक्षण महाभियान की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि भाजपा की निरंतर सफलता के पीछे उसके समर्पित, अनुशासित और प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी के वैचारिक अधिष्ठान से जोड़ा जा रहा है जिससे वे संगठन को और अधिक मजबूत बना सकें। प्रशिक्षण सत्रों में विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ नेताओं और वक्ताओं ने मार्गदर्शन दिया। गोविन्दगढ़ में वैचारिक अधिष्ठान पर विजय दुबे, भाजपा के इतिहास पर सतना महापौर योगेश ताम्रकार, कार्य विस्तार पर राजेश पाण्डेय, केंद्र सरकार की योजनाओं पर सांसद जनार्दन मिश्रा, कार्यपद्धति पर रवीन्द्र चौहान, बूथ प्रबंधन एवं 'मन की बात' पर योगेन्द्र शुक्ला, सोशल मीडिया व एआई एप्स पर नवीन शर्मा तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं पर विधायक नागेन्द्र सिंह ने जानकारी दी इसी प्रकार अन्य मंडलों में भी विभिन्न नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। सिरमौर, बैकुण्ठपुर, जवा, डभौरा और अतरैला मंडलों में भी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही और उन्हें विषयवार जानकारी प्रदान की गई।

ट्रक ने तोड़ा विद्युत पोल :250 घरों की बिजली हुई गुल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर के पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में बुधवार को तेंदू पत्ते से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गया इस दुर्घटना के कारण लगभग 250 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है जिससे क्षेत्र के लोग पिछले 8 घंटे से अधिक समय से अंधेरे में हैं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चालक नितिन गौतम को रास्ते की सही जानकारी नहीं थी चालक ने बताया कि वह सीधी से हनुमान क्षेत्र की ओर जा रहा था लेकिन किसी व्यक्ति द्वारा गलत दिशा बताने के कारण वह एक संकरी गली में पहुंच गया गाड़ी को पीछे करते समय ट्रक सीधे विद्युत पोल से टकरा गया इस टक्कर से विद्युत पोल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास के कई बिजली के तार टूटकर सड़क पर बिखर गए स्थानीय निवासी वंश लखन पटेल ने बताया कि केवल एक पोल ही नहीं, बल्कि करीब आठ खंभों के तार भी क्षतिग्रस्त हुए हैं हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को रोक लिया और उससे तत्काल विद्युत व्यवस्था बहाल करवाने की मांग की इस दुर्घटना में दो मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं और एक कार का शीशा टूट गया है मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई जा रही है बिजली विभाग के जेई शिव जागर मिश्रा ने बताया कि पोल और तारों को भारी नुकसान पहुंचा है जिसके कारण सुधार कार्य में समय लग रहा है विभाग की टीम मौके पर लगातार मरम्मत कार्य में जुटी हुई है और जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केस वापस लेने का दबाव पर युवक से मारपीट: टीआई बोले-जांच के बाद होगी सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अमिलिया थाना क्षेत्र के कोदौरा गांव में एक महिला के बेटे के साथ मारपीट की गई आरोप है कि उसे एक पुराने मामले में शिकायत वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित महिला कुसुमकली साकेत ने बताया कि बुधवार सुबह उनका बेटा लाला साकेत घर से सामान लेने निकला था तभी गांव के दो युवकों ने उसका रास्ता रोककर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी शिकायत वापस लेने की बात पर जान से मारने की धमकी दी। बेटे के अनुसार, सहजाद खान (पिता हनीफ खान) और एक अन्य व्यक्ति ने उससे कहा कि वह अपनी मां से केस वापस लेने के लिए कहे, अन्यथा परिणाम गंभीर होंगे। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है कुसुमकली साकेत ने बताया कि तीन दिन पहले भी उन्होंने गांव के कुछ युवकों के खिलाफ मारपीट और प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी पुलिस ने उस मामले में प्रकरण दर्ज किया था महिला का आरोप है कि उन्होंने घर के बाहर बेर तोड़ने से मना किया था, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई थी। एडवोकेट महेंद्र पांडे ने जानकारी दी कि महिला और उनके बेटे को लगातार परेशान किया जा रहा है उन्होंने बताया कि पहले भी इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी लेकिन अब दोबारा मारपीट की घटना सामने आने के बाद फिर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैंस ने बताया कि मारपीट का एक मामला पहले से दर्ज है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि दोबारा ऐसी घटना हुई है तो उसकी जांच कर आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए जागरूकता रथ रवाना, कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रथ को कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान उन्होंने आमजन से अपील की कि बच्चों को श्रम से दूर रखकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, बाल कल्याण समिति के सदस्य, सहायक श्रम पदाधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम उपस्थित रही 'श्रम से शिक्षा तक अभियान' के अंतर्गत यह 7 दिवसीय विशेष अभियान जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ बाल श्रम संवेदनशील चिन्हित क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को बाल श्रम निषेध कानून की जानकारी दी जाएगी और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा कलेक्टर के निर्देशानुसार इस अभियान के दौरान नगरीय निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) से बाल श्रम निषेध अधिनियम के पालन की स्थिति की जानकारी भी एकत्रित की जाएगी।

20 हजार की उधारी पर मारपीट; दबंगों ने दुकान में घुसकर की लूटे

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। 20 हजार रुपए की उधारी को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया मुनगा खरीदने पहुंचे एक सब्जी व्यापारी पर दबंगों ने दुकान में घुसकर हमला कर दिया आरोपियों ने व्यापारी के साथ बेरहमी से मारपीट की और नकदी लूट ली पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आ रहा है घटना शहडोल जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र की है। ग्राम चुनिया दादर निवासी सब्जी व्यापारी गोविंद प्रसाद पटेल मुनगा खरीदने के लिए ओम ट्रेडर्स पहुंचे थे उन्होंने व्यापारी कल्लू से मुनगा खरीदा और उसका भुगतान भी किया इसी दौरान पुराने बकाया रकम को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया शुरुआती कहासुनी के बाद मामला शांत हो गया था लेकिन कुछ देर बाद स्थिति बिगड़ गई आरोप है कि कल्लू पटेल अपने 10 से अधिक साथियों के साथ एक पिकअप वाहन में मौके पर पहुंचा उन्होंने दुकान में घुसकर गोविंद प्रसाद पटेल पर हमला कर दिया। आरोपियों ने व्यापारी को घेरकर लात-घूंसों से मारपीट की और उसके पास रखे करीब 20 हजार रुपए लूट लिए इस पूरी वारदात का वीडियो दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि किस तरह आरोपियों ने खुलेआम दुकान में घुसकर मारपीट और लूट की घटना को अंजाम दिया घटना के बाद पीड़ित व्यापारी गोविंद प्रसाद पटेल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने नामजद आरोपियों सहित 10 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

13 से 28 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन, लॉटरी से सीट आवंटन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है जिला शिक्षा केन्द्र सीधी के जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार अधिनियम की धारा 12(1)(ग) के तहत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा इसके लिए आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है प्रवेश के इच्छुक अभिभावक समग्र आईडी एवं आधार नंबर के माध्यम से सत्यापन कर अपने ग्राम, पड़ोस एवं विस्तारित क्षेत्र के निजी विद्यालयों में कक्षावार आरक्षित सीटों पर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि सुधार की सुविधा उपलब्ध रहेगी आवेदन करने के बाद अभ्यर्थियों को 30 मार्च 2026 तक निर्धारित सत्यापन केंद्रों पर अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा निर्धारित समय सीमा में सत्यापन नहीं कराने पर आवेदन स्वत: निरस्त कर दिया जाएगा सत्यापन के बाद पात्र विद्यार्थियों के बीच 2 अप्रैल 2026 तक

एसीसी के प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग से कटनी के ठेकेदार को मिली नई दिशा

सुपरवाइजर से सफल ठेकेदार बने शैलेन्द्र गुप्ता, अब जिले में संभाल रहे कई निर्माण प्रोजेक्ट

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा और निर्माण सामग्री व समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एसीसी लिमिटेड मध्य प्रदेश में जमीनी स्तर के निर्माण पेशेवरों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है कंपनी द्वारा प्रदान किए जा रहे संरचित प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और साइट पर समर्थन के माध्यम से कई ठेकेदारों के जीवन और करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है कटनी के ठेकेदार शैलेन्द्र गुप्ता की सफलता इसी पहल का एक प्रेरक उदाहरण है शैलेन्द्र गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत एक साधारण सुपरवाइजर के रूप में की थी। शुरुआती दौर में वे छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की निगरानी करते थे और सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे थे हालांकि उनके भीतर आगे बढ़ने की इच्छा और कुछ नया करने का जज्बा हमेशा मौजूद था लेकिन सही दिशा और मार्गदर्शन की कमी उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही थी उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने एसीसी द्वारा आयोजित एक ठेकेदार बैठक में भाग लिया इस बैठक में उन्हें आधुनिक निर्माण तकनीकों, गुणवत्ता प्रबंधन और कार्य दक्षता बढ़ाने के तरीकों की विस्तृत जानकारी मिली यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और उन्होंने सीखी गई बातों को अपने कार्य में लागू करना शुरू कर दिया धीरे-धीरे एसीसी के सहयोग से शैलेन्द्र ने न केवल अपने कौशल को निखारा, बल्कि अपने कार्यक्षेत्र का भी विस्तार किया धीरे-धीरे उन्होंने छोटे प्रोजेक्ट्स से आगे बढ़ते हुए बड़े निर्माण कार्यों को संभालना शुरू किया आज वे कटनी जिले में 10 से 12 सक्रिय निर्माण स्थलों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं उनके लगभग सभी प्रोजेक्ट्स में एसीसी के उत्पादों का उपयोग किया जाता है जिससे निर्माण की गुणवत्ता और टिकाऊपन सुनिश्चित होता है शैलेन्द्र को एसीटी (एसीसी सर्टिफाइड टेक्नोलॉजी) सेवाओं, नियमित ठेकेदार कार्यशालाओं और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मिल रहा है इन सेवाओं के माध्यम से उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन, नई तकनीकों की जानकारी और कार्य में सुधार के अवसर मिलते रहते हैं। इसके अलावा वे 'रिवॉर्ड्स कनेक्ट' कार्यक्रम से भी जुड़े हुए हैं, जिसके तहत उनके निरंतर जुड़ाव और उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें पहचान और प्रोत्साहन मिलता है।

जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सेक्टर बैठक में तैयार हुई कार्ययोजना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत चमराडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यशाला एवं सेक्टर बैठक आयोजित की गई कार्यशाला में उपस्थित नागरिकों के साथ संवाद किया गया और उन्हें जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई ताकि वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकें आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए सेक्टर बैठक में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि सभी प्रतिभागी जल संरक्षण में योगदान दें विशेष रूप से वर्षा जल संरक्षण, खेतों और तालाबों के माध्यम से जल संचयन, तथा स्थानीय जल स्त्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया गया कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया बैठक में सेक्टर प्रभारी, एएओ, एपीओ, पीसीओ, संबंधित सचिव एवं जीआरएस उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार अभियान को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई इस पहल का उद्देश्य न केवल जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है बल्कि जल संचयन एवं संरक्षण के स्थायी उपायों को भी प्रभावी रूप से लागू करना है।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रशासन सख्त, 11 गैस सिलेंडर जब्त

घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई, नागरिकों से पैनिक बुकिंग न करने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे घबराहट में गैस की बुकिंग (पैनिक बुकिंग) न करें और घरेलू गैस का उपयोग केवल आवश्यकतानुसार ही करें जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। वर्तमान में 3996 गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं तथा प्रतिदिन लगभग 2036 सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है जो सामान्य से लगभग 500 सिलेंडर अधिक है इससे स्पष्ट है कि गैस की कोई कमी नहीं है और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है कलेक्टर द्वारा सभी गैस वितरकों को निर्देशित किया गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाए, साथ ही होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को कमर्शियल गैस की संभावित कमी को देखते हुए वैकल्पिक ईंधन के उपयोग की सलाह दी गई है प्रशासन द्वारा खाद्य, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों के माध्यम से लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं इसी क्रम में 17 मार्च 2026 को चौपाटी गांधी चौराहा, सीधी स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई निरीक्षण के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया जिस पर कार्रवाई करते हुए 11 सिलेंडर जब्त किए गए यह कार्रवाई द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के तहत की गई। संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में न करें, अन्यथा आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में गैस की आपूर्ति पर्याप्त है और कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यालय नगर परिषद् मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.)

cmomahuganj@mpurban.gov.in

क्रमांक/3505/e-tendering/NP/2026 — मऊगंज दिनांक- 16.03.2026

ई-निविदा सूचना - प्रथम आमंत्रण

एतद द्वारा समस्त पंजीकृत फर्म/ अधिकृत विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगर परिषद मऊगंज में वित्त वर्ष 2026-27 हेतु निम्नानुसार कॉलम में वर्णित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दरों की आवश्यकता है। जिस हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/आपूर्ति कर्ताओं से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	आपूर्ति मद का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_491502_1 दिनांक- 17.03.2025	विद्युत सामग्री की आपूर्ति	50.00 लाख	1.5000/- 2. 37,500/-	17.04.2025
2	2026_UAD_491503_1 दिनांक- 17.03.2025	हैन्डपम्प सामग्री की आपूर्ति	50.00 लाख	1.5000/- 2. 37,500/-	17.04.2025
3	2026_UAD_491504_1 दिनांक- 17.03.2025	जलप्रदाय सामग्री की आपूर्ति	50.00 लाख	1.5000/- 2. 37,500/-	17.04.2025
4	2026_UAD_491505_1 दिनांक- 17.03.2025	स्वास्थ्य सफाई सामग्री की आपूर्ति	50.00 लाख	1.5000/- 2. 37,500/-	17.04.2025
5	2026_UAD_491506_1 दिनांक- 17.03.2025	कार्यालय स्टेशनरी सामग्री की आपूर्ति	25.00 लाख	1.5000/- 2. 18,750/-	17.04.2025
6	2026_UAD_491507_1 दिनांक- 17.03.2026	टेन्ट सामग्री किराये पर लगाने हेतु	20.00 लाख	1. 2000/- 2. 15000/-	17.04.2026
7	2026_UAD_491508_1 दिनांक- 17.03.2026	फ्लेक्स बोर्ड & बैनर प्रिंटिंग एवं आपूर्ति	18.00 लाख	1. 2000/- 2. 13500/-	17.04.2026
8	2026_UAD_491509_1 दिनांक- 17.03.2026	साउन्ड सिस्टम सामग्री किराये पर लगाने हेतु	07.00 लाख	1. 2000/- 2. 7000/-	01.04.2026

नोट:- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन **https://mptenders.gov.in/** की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद मऊगंज
जिला-मऊगंज (म0प्र0)

खनन पर हो मनन : पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

संपादकीय

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है।

दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं।

हिन्दू नव वर्ष मनाने का कारण क्या है?

संजय गोस्वामी

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिन्दू नव वर्ष यानी नव संवत्सर की शुरुआत होती है। हिन्दू धर्म से जुड़े लोग इस दिन को बहुत खास तरीके से मनाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना शुरू की थी। हर साल इस तिथि पर ब्रह्मांड में नए मंत्रिमंडल का गठन होता है, जिसके आधार पर पूरे साल की गणना की जाती है।हिन्दू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 के राजा और मंत्री दोनों ही सूर्य हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 19 मार्च से इस नव संवत्सर की शुरुआत हुई है और इस दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों मीन राशि में स्थित होंगे। यह नया साल कई राशियों के लिए धन, दौलत और ढेर सारी खुशहाली लेकर आता है लेकिन महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष ज्योतिर्लिंग विशेष धन समृद्धि नव वर्ष पूजा और यज्ञ ऋण-मुक्ति और वर्ष भर समृद्धि और प्रचुरता के लिए मनाया जाता है और हिन्दू के लिए चैत्र नवरात्री की शुरुआत होती है लेकिन फिर 1जनवरी को नया साल क्यों मनाया जाता है सारे कैलेंडर नए साल 1जनवरी से ही चालू होता है नए साल 2082 से शुरुआत होता है ऐ कितने को मालूम है विक्रम संवत आखिर क्या है कैलेंडर आखिर क्या कहता है अंग्रेजी इस कदर हावी क्यों है कि अपना वर्ष भी नहीं समझ पाते हैं विक्रम संवत् आरम्भ करने का कारण था कि कलि के 3044 वर्ष में ऋतु चक्र 1.5 मास पीछे खिसक गया था। सूर्य सिद्धान्त (3/9-10) के अनुसार अयनांश का मान 27 अंश से अधिक नहीं होना चाहिये। अतः नया संवत् आरम्भ हुआ जिसमें मास चक्र को 1.5 मास पीछे किया गया। फलस्वरूप शुक्ल पक्ष के बदले कृष्ण पक्ष से मास आरम्भ किया गया। किन्तु वर्ष आरम्भ चैत्र शुक्ल पक्ष से रखा तथा अधिक मास गणना की पुरानी पद्धति ही रही।वराहमिहिर ने कुतूहल मञ्जरी में अपनी जन्मतिथि युधिष्ठिर शक 3042 चैत्र शुक्ल अष्टमी (8-3-95 ई.पू.) दी है। कुतूहल मञ्जरी-स्वस्ति श्रीनृप सूर्यसूनुज-शके याते द्वि-वेदा-म्बर-त्रै (3042) मानाब्दमिते त्वनेहसि जये वर्षे वसन्तादिके। चैत्रे श्वेतदले शुभे वसुतिथावादित्यदासादभूद् वेदाङ्गे निपुणो वराहमिहिरो विप्रो रवेराशीर्भिः॥बृहत् संहिता के टीकाकार उत्पल भट्ट के अनुसार इनका देहान्त 90 वर्ष की आयु में अर्थात् 5 ई.पू. में हुआ। इसके 83 वर्ष बाद 78 ई. में शालिवाहन शक आरम्भ हुआ, जिसका प्रयोग वराहमिहिर द्वारा असम्भव है, जो वर्त्तमान इतिहासकारों की कल्पना है।विक्रम सम्वत् 57 ई.पू. से-यह सम्वत् है, शक नहीं। पर लोग शक और सम्वत् का अन्तर भूल चुके हैं, अतः इसमें भी गणना की जा रही है। 427 वर्ष बाद 4-3-371 ई. को 2-13-54 बजे चैत्र शुक्ल 1 आरम्भ हुआ, जिस दिन गुरुवार थाबृहत् संहिता में मकर राशि से सूर्य का उत्तरायण कहा है तथा उसी के अनुसार पञ्च सिद्धान्तिका में योग गणना लिखी है अतः हमें इसका ज्ञान होना जरुरी है ।

विविधता में एकता का जीवंत उत्सव-गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्र, चेट्रीचंड्र, ईद-उल-फितर और राम नवमी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत, जिसे सदियों से आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह- अस्तित्व की भूमि के रूप में जाना जाता है, मार्च 2026 में एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।यह वह समय है जब विभिन्न धर्मों और समुदायों के प्रमुख त्योहार लगभग एक ही सप्ताह के भीतर मनाए जा रहे हैं,एक ऐसा दुर्लभ संगम जो न केवल भारत की धर्मनिरपेक्षता को सशक्त बनाता है,बल्कि 'सर्वधर्म समभाव' की उस अवधारणा को भी जीवंत करता है, जो भारतीय संविधान और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा है।19 मार्च से 27 मार्च 2026 के बीच का यह समयखंड केवल कैलेंडर का संयोग नहीं है,बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना,सांस्कृतिक समृद्धि और पारस्परिक सम्मान का उत्सव है।इस अवधि में गुड़ी पड़वा,चैत्र नवरात्र,चेट्री चंड्र ,ईद-उल-फितर और राम नवमी जैसे प्रमुख पर्व एक के बाद एक मनाए जाएंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह विविधता में एकता का ऐसा सशक्त उदाहरण है,जिसे दुनियाँ के सामने एक सांस्कृतिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम सबसे पहले आने वाले त्योहार गुड़ी पड़वाः नववर्ष, विजय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक इसको समझने की करें तो19 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को आता है और हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन घरों के बाहर गुड़ी' स्थापित की जाती है जो विजय, समृद्धि और शुभता का प्रतीक होती है।गुड़ी में नीम के पत्ते,आम की पत्तियां, पुष्पमाला और एक उल्टा रखा हुआ तांबे का कलश शामिल होता है।यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि यह ऐतिहासिक विजय विशेषकर राजा शालिवाहन की जीत का भी स्मरण कराती है। सुबह तेल स्नान, नए वस्त्र धारण करना और 'पूरन पोली' जैसे पारंपरिक व्यंजनों का सेवन इस त्योहार को और भी खास बनाता है।यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह वसंत ऋतु के आगमन,कृषि चक्र के पुनरारंभ और सामाजिकनवजीवन का प्रतीक भी है। गुड़ी पड़वा भारतीय समाज की उस सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है, जिसमें हर नया वर्ष नई आशाओं और अवसरों के साथ शुरू होता है। चैत्र नवरात्रः शक्ति, साधना और आध्यात्मिक अनुशासन का पर्व है। साथियों बात अगर हम उसी दिन दूसरे त्यौहार चैत्र नवरात्र को समझने की करें तो गुड़ी पड़वा के साथ ही 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्र का शुभारंभ हो रहा है, जो 27 मार्च तक चलेगा। यह नौ दिनों का पर्व देवी दुर्गा के नौ रूपों की उपासना का समय है। इस दौरान श्रद्धालु उपवास रखते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं और आत्मसंयम का पालन करते हैं।इस वर्ष विशेष बात यह है कि मां दुर्गा 'पालकी' (डोली) पर सवार होकर आएंगी, जिसे शुभ संकेत माना जाता है। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 19 मार्च की सुबह 06:52 से 07:43 के बीच निर्धारित है। यह समय आध्यात्मिक ऊर्जा के जागरण और नए संकल्पों की शुरुआत का प्रतीक है।चैत्र नवरात्र केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और सकारात्मकता का संदेश भी देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन और आत्मनियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम चेट्रीचंद्र सिंधी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और आस्था का उत्सव इसको समझने की करें तो,20 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला चेटी चंद सिंधी समुदाय का प्रमुख पर्व है, जो उनके नववर्ष का आरंभ भी है। यह दिन भगवान झूलेलाल को समर्पित होता है, जिन्हें जल देवता के रूप में पूजा जाता है। 'चेटी चंद' का अर्थ है 'चैत्र का चंद्रमा ',जो नईशुरुआत और आशा का प्रतीक है। इस दिन सिंधी समुदाय झांकियां निकालता है, भजन-कीर्तन करता है और सामूहिक रूप से उत्सव मनाता है।यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सिंधी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। यह दर्शाता है कि भारत में हर समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता में योगदान देता है।सिंधी समाज पर हो रहे अत्याचार की पुकार सुन जल देवता से आकाशवाणी के 2 दिन बाद चैत्र माह की शुक्ल पक्ष में नासरपुर (पाकिस्तान की सिन्धु घाटी) के देवकी व ताराचंद के यहाँ एक बेटे ने जन्म लिया, जिसका नाम उदयचंद रखा गया। हिंदी में उदय का मतलब उगना होता है। भविष्य में ये छोटा बच्चा हिन्दू सिन्धी समाज का रक्षक बना, जिसने मिरक शाह जैसे शैतान का अंत किया अपने नाम को चरितार्थ करते हुए उदयचंद जी ने सिंध के हिंदुओ के जीवन के अँधेरे को खत्म कर उजयाला फैला दिया।

साथियों बात अगर हम चेटीचंड के दैनिक मुस्लिम भाइयों के प्रिय त्योहार ईद-उल-फितरः आभार करुणा और भाईचारे का संदेश को समझने की करें तो मार्च 2026 में ईद-उल-फितर 20 या 21 मार्च को मनाई जाएगी,जो चांद के दीदार पर निर्भर करती है। यह पर्व रमजान के पवित्र महीने के समापन का प्रतीक है।ईद का दिन अल्लाह के प्रति आभार व्यक्त करने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने का अवसर होता है। इस दिन विशेष नमाज अदा की जाती है, 'फितरा' (दान) दिया जाता है और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर 'ईद मुबारक' कहते हैं। सेवइयां और अन्य मिठाइयों का वितरण इस त्योहार की खास पहचान है। यह पर्व हमें सिखाता है कि खुशी तभी पूर्ण होती है जब उसे दूसरों के साथ साझा किया जाए। ईद-उल-फितर भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं और आपसी प्रेम को बढ़ाते हैं। साथियों बात अगर हम राम नवमीः आदर्श जीवन मूल्यों का उत्सव इसको समझने की करें तो 27 मार्च 2026 को मनाई जाने वाली राम नवमी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे भारत में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। विशेष रूप से अयोध्या में यह उत्सव अत्यंत भव्य होता है,जहां देश- विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं।इस दिन मंदिरों में पूजा-अर्चना, शोभायात्राएं, रथ यात्राएं और भव्य झांकियां आयोजित की जाती हैं।भगवान राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में पूजा जाता है, जो सत्य, धर्म और न्याय के प्रतीक हैं।राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि आदर्श जीवन जीने के लिए नैतिकता, संयम और कर्तव्य परायणता कितनी आवश्यक है।

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा में 1प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा में 18 मार्च को प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात छात्राओं नित्या, सानिया एवं सौम्या द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण वातावरण ज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण चेतना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। मंच संचालन गणित विभाग की प्रो. नीलम पाण्डेय ने अत्यंत प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में आधुनिक समय में ऐसे संगोष्ठियों की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग और संरक्षण पर गंभीर चिंतन अनिवार्य हो गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत छात्राओं द्वारा बैज लगाकर तथा प्राचार्य द्वारा पौधारोपण के माध्यम से किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश भी था। विभिन्न अतिथियों का सम्मान प्रो. डी.पी. शुक्ला, अमित कुमार सिंह एवं अन्य शिक्षकों द्वारा गरिमापूर्ण ढंग से किया गया।

प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि प्रो. पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रो. पाण्डेय ने प्रयागराज, दिल्ली एवं रीवा विश्वविद्यालय में अपनी विद्वता का लोहा मनवाया तथा कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित किया। उनकी पुस्तक 'किसान का बेटा' भी व्यापक रूप से चर्चित रही है।

इसके साथ ही प्राचार्य ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में मानव गतिविधियों के कारण प्राकृतिक संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले चुकी हैं, जिनका समाधान केवल जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों से अपील की कि वे केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर पर्यावरण संरक्षण को अपने व्यवहार में भी उतारें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

इस अवसर पर भूगर्भ शास्त्र विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। डॉ. मुकेश येंगल को जल संरक्षण एवं पर्यावरण क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा समाजसेवी सुनील सिंह, डॉ. अनुराग द्विवेदी, श्री संतोष जी एवं श्री समीर शुक्ला को भी उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इन सभी व्यक्तित्वों ने अपने कार्यों के माध्यम से समाज में पर्यावरणीय चेतना को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के दौरान 'विकसित भारत 2047' विषय पर आधारित हिंदी माध्यम की पुस्तक का विमोचन किया गया, साथ ही 'ङ्कड्ड1द्गह्य श्द्ब स्द्बद्दद्द' सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशनों का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वेबीनार और सेमिनार के समन्वय पर भी चर्चा की गई, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान को और अधिक व्यापक बनाया जा सके।

विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त संचालक आर.पी. सिंह ने अपने संबोधन में समन्वित विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि वे भविष्य की योजनाओं और नीतियों को भी दिशा प्रदान करते हैं। वहीं सलिल जी ने खनन (माइनिंग) क्षेत्र को वर्तमान समय का अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि 2047 तक भारत के विकास में क्रिटिकल मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने इस क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने जियोलॉजी के ऐतिहासिक विकास पर भी प्रकाश डाला और बताया कि भारत में भूगर्भीय अध्ययन ने वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। खनन, खनिज संसाधनों के उपयोग तथा उनके संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, जिस पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक आर.पी. जोशी (ए.जी. कॉलेज, रीवा) ने अपने वक्तव्य में कोदो एवं कुटकी जैसे पारंपरिक मिलेट्स के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये फसलें कम पानी में उगने वाली, पोषक तत्वों से भरपूर और पर्यावरण के अनुकूल होती हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में प्राकृतिक संसाधनों की मूल अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए पंचमहाभूत—पृथ्वी, जल, आकाश, वायु एवं अग्नि—को जीवन का आधार बताया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही पर्यावरण संरक्षण का गूढ़ संदेश दिया था, जिसे आज पुनः समझने और अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने वर्तमान समय में मानव द्वारा प्रकृति के अंधाधुंध दोहन पर चिंता व्यक्त करते हुए शांति, संतुलन और सह-अस्तित्व की भावना को अपनाने पर जोर दिया।

अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि युद्ध और संघर्ष कभी भी स्थायी समाधान नहीं दे सकते, बल्कि शांति और समन्वय ही मानवता के विकास का वास्तविक मार्ग है। उन्होंने सभी उपस्थितजनों से आह्वान किया कि वे प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं।

कार्यक्रम के अंत में पुष्पेंद्र तिवारी द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

यह संगोष्ठी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई, जिसने समाज को एक सकारात्मक और जिम्मेदार दिशा प्रदान की।

बुलेट ट्रेन की परियोजना में लगे पंख

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ विकास की परिभाषा केवल सड़कों,पुलों और भवनों तक सीमित नहीं रही,बल्कि वह गति, समन्वय और सुविधा के समग्र अनुभव में परिवर्तित हो चुकी है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन मोड़ व अश्वनी वैष्णव के विजन में इसी बदलती सोच का सबसे सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बुलेट ट्रेन की परियोजना में पंख लग गए है।सर्व विदित रहे कि देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना,जो केवल एक तेज रफ्तार रेल सेवा नहीं,बल्कि आधुनिक शहरी जीवन शैली का आधार बनने की दिशा में अग्रसर है।

बिनोद कुमार सिंह

आपको बता दें कि बुलेट ट्रेन स्टेशनों को जिस दृष्टिकोण से विकसित किया जा रहा है,वह अपने आप में एक नई अवधारणा को जन्म देता है।अब स्टेशन केवल यात्रा के प्रारंभ और अंत का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे शहर की परिवहन व्यवस्था के साथ एकीकृत होकर आधुनिक शहरी नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।मल्टी- मॉडल इंटीग्रेशन (एमएमआई) की यह अवधारणा यात्रियों को बिना किसी व्यवधान के एक परिवहन माध्यम से दूसरे माध्यम में सहज रूप से स्थानांतरित होने की सुविधा प्रदान करेगी।इस योजना के तहत स्टेशन परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक विकास किया जा रहा है।बस,टैक्सी,निजी वाहन और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित ढंग से जोड़ने का प्रयास,भारतीय शहरों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन अव्यवस्था को दूर करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि समय की बचत,ईंधन की खपत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।सुत्रो के अनुसार स्टेशन प्लाज़ा को जिस प्रकार से डिजाइन किया जा रहा है,वह आधुनिक शहरी सौंदर्य और कार्यकुशलता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहाँ के चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ, सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप ऑफ जोन,पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, उन्नत संकेत प्रणाली,आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था - ये सभी सुविधाएँ मिलकर यात्रियों को एक सुरक्षित,सुविधाजनक और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेंगी। साथ ही,लैंडस्केपिंग और वृक्षारोपण के माध्यम से इन क्षेत्रों को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास भी सराहनीय है।

यदि हम इस परियोजना की प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कागजों तक सीमित योजना नहीं,बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेती हुई वास्तविकता है।सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर स्टील स्ट्रक्चर और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्र में फ्लोरिंग,क्लैडिंग और अन्य आंतरिक कार्यों की प्रगति इस बात का संकेत देती है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपनी अंतिम रूपरेखा में दिखाई देगा।

बिलिमोरा स्टेशन पर भी निर्माण कार्य उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रहा है।रेल और प्लेटफॉर्म स्तर की स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है और संरचनात्मक स्टील का कार्य भी समाप्त हो गया है।अब आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी कार्यों के माध्यम से इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आणंद स्टेशन की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।यहाँ न केवल स्लैब कास्टिंग और रूफ संरचना का कार्य पूरा हो चुका है,बल्कि लिफ्ट और एस्केलेटर भी स्थापित किए जा चुके हैं।यह दर्शाता है कि यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को किस गंभीरता से क्रियान्वित किया जा रहा है।

वडोदरा,भरूच और वापी स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।कहीं स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है,तो कहीं संरचनात्मक स्टील का कार्य जारी है।यह समग्र प्रगति इस बात का प्रमाण है कि देश की यह महत्वाकांक्षी परियोजना योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है।इस पूरे प्रयास के पीछे केवल तेज गति से यात्रा कराने का उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक ऐसे परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप हो। जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।आज के इस युग मे जब महानगरों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन बड़ी चुनौतियाँ बन चुकी हैं,ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है। यह न केवल यात्रियों को तेज और सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी, बल्कि शहरी नियोजन के नए मानक भी स्थापित करेगी।

संक्षेप में कह सकते है कि बुलेट ट्रेन परियोजना केवल एक परिवहन योजना नहीं,बल्कि आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है। यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज,संगठित,पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार है। आने वाले वर्षों में जब ये स्टेशन पूरी तरह से विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवन के प्रतीक बनकर उभरेंगे।बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत के निर्माण को गति, शहरी विकास की नई दिशा देगी।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- असली हिंदू नहीं हैं सीएम योगी

आवाज दबाने हिस्ट्रीशीटरों का इस्तेमाल कर रही राजनीतिक पार्टी, हिंदुओं को बांटने वाला यूजीसी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे, जहां उन्होंने यूजीसी कानून के नए नियमों को लेकर बड़ा बयान दिया अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी का नया कानून हिंदुओं को बांटने वाला है अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी असली हिंदू नहीं हैं उनकी आवाज को दबाने के लिए सत्तारूढ़ दल हिस्ट्रीशीटरों का सहारा ले रहे हैं आवाज को सुनने के बजाय उसे दबाने की कोशिश की जा रही है दरअसल, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती एक कार्यक्रम में शामिल होने बेमेतरा गए थे वहां से लौटते समय बिलासपुर में उन्होंने सत्तारूढ़ दलों पर निशाना साधा और राजनीतिक दलों पर गंभीर आरोप लगाए शंकराचार्य ने कहा कि उनकी आवाज को दबाने के लिए सत्तारूढ़ दल हिस्ट्रीशीटरों का सहारा ले रहे हैं उनका कहना है कि वे लगातार गौ रक्षा की बात उठा रहे हैं फिर भी सरकारें इस दिशा में ठोस कदम उठाने से बच रही है

यूजीसी नियम को बताया राष्ट्रद्रोह: यूजीसी के नए नियम पर शंकराचार्य ने कड़ा विरोध जताया उन्होंने इसे 'हिंदुओं को बांटने वाला' और 'राष्ट्रद्रोह' करार दिया शंकराचार्य ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में इस कानून का क्रियान्वयन नहीं होना चाहिए सनातन धर्म पर टिप्पणी करते हुए अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि इसे किसी बाहरी लोगों से खतरा नहीं, बल्कि अंदर ही मौजूद 'कालनेमियों' से खतरा है उत्तर प्रदेश की राजनीति पर उन्होंने आरोप लगाया कि वहां की नीयत केवल वोट हासिल करना है हिंदुओं के हित में काम करने की मंशा नहीं दिखती। योगी आदित्यनाथ को लेकर शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें 40 दिन का समय दिया गया था फिर भी वे खुद को साबित नहीं कर पाए इस आधार पर उन्होंने कहा कि वे 'असली हिन्दू नहीं' हैं।

3274 बिजली बिल मामलों का निराकरण 4.75 करोड़ के बिलों का निपटारा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। हाल ही में आयोजित नेशनल लोक अदालत में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से संबंधित 3274 बिजली बिल मामलों का निराकरण किया गया इन केस में कुल 4.75 करोड़ रुपए के बिलों का निपटारा आपसी सहमति से हुआ। कार्यपालक निदेशक ए.के. अम्बस्ट ने बताया कि उपभोक्ता सरचार्ज में छूट पाने के लिए 'घर बैठे समाधान योजना' के तहत कंपनी की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

उन्होंने 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026' का भी जिक्र किया, जिसके तहत बीपीएल, घरेलू और कृषि श्रेणी के निम्नदाब उपभोक्ताओं को बिजली बिल के सरचार्ज (अधिभार) में 100 प्रतिशत तक छूट मिल सकती है बिल अधिभार माफी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा अम्बस्ट ने स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय से बिजली बिल का अधिभार जुड़ रहा था वे अब इसे पूरी तरह माफ कराने और बकाया राशि में छूट पाने के लिए आधिकारिक वेबसाइट या 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से घर बैठे रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं

करोड़ों के बिजली बिलों का निराकरण: नेशनल लोक अदालत के तहत बिलासपुर वृत्त में 1276 मामलों में 1 करोड़ 67 लाख 81 हजार रुपए, बिलासपुर नगर वृत्त में 1856 मामलों में 2 करोड़ 91 लाख रुपए और कोरबा वृत्त में 142 प्रकरणों में 16 लाख 40 हजार रुपए के बिलों का आपसी सहमति से निराकरण कर अवार्ड पारित किया गया।

कोयला खदान से कबाड़ चोरी, पिकअप सहित कबाड़ जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खोंगापानी क्षेत्र में स्थित हल्दीराम भंडारी खदान से लोहे के कबाड़ की चोरी का मामला सामने आया है पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया है प्रार्थी राम नारायण मिश्रा ने खोंगापानी झगराखांड थाना अंतर्गत खोंगापानी चौकी में शिकायत दर्ज कराई उन्होंने बताया कि खदान के सुरक्षा प्रहरी रामचरण मिश्रा ने सुबह लगभग 5 बजे एक पिकअप वाहन में कुछ लोगों को एसईसीएल का पुराना बड़ा टब, लोहे का एंगल, ड्रिल रॉड, बोल्ट रॉड और अन्य कबाड़ चोरी कर ले जाते देखा चोरी किए गए कबाड़ का वजन लगभग 5 क्विंटल था शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन का पता लगाया। घेराबंदी कर झगराखांड पुलिस ने वाहन चालक सरफराज और उसके साथी छोटकू, विरन बसोर, कालीघरण बसोर और भजन बसोर को हिरासत में लिया ये सभी लालपुर के निवासी हैं पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया जिसके बाद उनके कब्जे से पिकअप वाहन और चोरी का कबाड़ जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ झगराखांड थाने में धारा 303(2) और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक आर.एन. गुप्ता, चौकी प्रभारी खोंगापानी राकेश शर्मा और पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल जीवन मिशन से बदली गांव की तस्वीर, 'हर घर नल से जल' से आसान हुई जिंदगी

कुंती के घर पहुंचा स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य, समय और सम्मान में हुआ सुधार

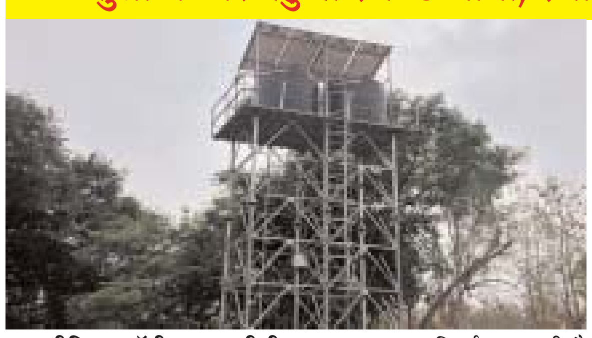

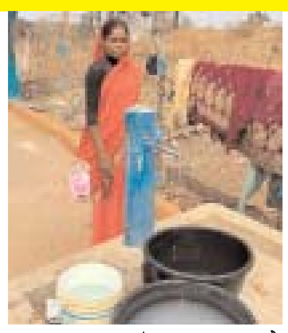

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत बोड़ेमुड़ा के थिहाईपारा में अब बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है जहां कभी ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी वहीं अब हर घर तक नल से स्वच्छ जल की आपूर्ति हो रही है जल जीवन मिशन के तहत यह पहल ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है इस बदलाव की सजीव उदाहरण हैं गांव की निवासी कुंती, जिनकी दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है पहले उन्हें प्रतिदिन कुएं और हैंडपंप से पानी लाने के लिए दूर जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की काफी हानि होती थी साथ ही असुरक्षित जल स्रोतों के कारण स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बना रहता था अब 'हर घर नल से जल' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कुंती के घर तक नियमित रूप से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है इस सुविधा ने न केवल उनके दैनिक जीवन को सरल बनाया है बल्कि उनके परिवार के स्वास्थ्य स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार किया है गांव में इस बदलाव का व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है महिलाओं को पानी लाने की कठिन दिनचर्या से राहत मिली है, जिससे वे अब अपने समय का उपयोग अन्य उपयोगी कार्यों में कर पा रही हैं।वहीं बच्चों की पढ़ाई पर भी सकारात्मक असर पड़ा है, क्योंकि अब उन्हें पानी लाने में समय नहीं लगाना पड़ता। कुंती ने इस सुविधा के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना गांव के विकास की मजबूत आधारशिला साबित हो रही है उनके अनुसार, जल जीवन मिशन ने न केवल घर तक पानी पहुंचाया है बल्कि जीवन में सम्मान, सुविधा और नए अवसर भी प्रदान किए हैं ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की पहलें न केवल जीवन स्तर को बेहतर बना रही हैं।

तंत्र-मंत्र के चक्कर में शख्स ने खुद का गला काटा: बीड़ी पीकर की पूजा

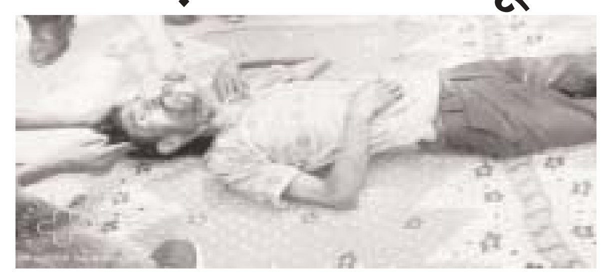

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में एक शख्स ने तंत्र-मंत्र के चक्कर में चाकू से खुद का गला काट पूजा रूम में खून से लथपथ उसकी लाश देख बहू की चीखें निकल गई 4 महीने पहले भी उसने अपना हाथ काटा था। दरअसल, ग्राम जोंधरा निवासी चंदन नट (45) भीख मांगकर अपने और परिवार का गुजर-बसर करता था रोज की तरह वो मंगलवार को भीख मांगने निकला था शाम करीब 6 बजे वह घर लौटा इस दौरान अपने बड़े भाई के साथ बैठकर बीड़ी पीते हुए काफी देर तक बातचीत की भाई के जाने के बाद वह अपने घर के अंदर पूजा कमरे में चला गया इसके बाद शाम करीब 7 बजे बहू किसी काम से घर के पूजा कमरे की ओर गई इस दौरान अंदर कमरे में चंदन खून से लथपथ पड़ा था उसे देखकर वो चीख पड़ी बहू की आवाज सुन उसका बेटा सुल्तान और परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे चंदन को घायल समझकर परिजन आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी उन्होंने इस घटना की जानकारी पचपेड़ी पुलिस को दी खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल बिलासपुर से डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया। रात होने की वजह से शव को घटनास्थल पर ही रखवाया है फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड की टीम ने बुधवार सुबह घटना की बारीकी से जांच की फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। इस मामले में मधुलिका सिंह एएसपी ग्रामीण का कहना है कि चंदन अक्सर पूजा पाठ करता था रात में वो चाकू खरीदकर घर लाया था। उसी चाकू से तंत्र-मंत्र के चक्कर में खुद का गला काट लिया उसने 4 महीने पहले भी अपना हाथ काटकर खुदकुशी की कोशिश की थी।

नहीं मिला महतारी वंदन योजना का पैसा: महिला को मृत बता दिया,अब जिंदा साबित कर भटक रही महिला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। महतारी वंदन योजना की लाभार्थी को मृत बता दिया गया अब पैसा नहीं मिल पा रहा है महिला का नाम अमरिका बाई जो तिफरा निवासी है जिसने जनदर्शन के दौरान कलेक्टर संजय अग्रवाल को अपनी परेशानी बताई है अमरीका बाई ने कहा मैं शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हो गई हूँ महिला कागज़ लिए लिए कई दफ्तरों में जा रही है और खुद को ही जीवित साबित करने की कोशिश कर रही है अमरीका को महतारी वंदन योजना का पैसा नहीं मिला है। वह परेशान है उसे मरा हुआ बता दिया गया है और वह खुद को जिंदा बताने के लिए दफ्तरों में चक्कर काट रही है ये अमरीका बिलासपुर के तिफरा में रहने वाली महिला है उसने कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत की है कि महतारी वंदन योजना की भुगतान राशि मिलना बंद हो गया है उन्होंने बताया कि किसी गलती से उसे मृत दर्शा दिया गया है, जिससे योजना की राशि मिलना बंद हो गई है। अब तक केवल 5 किस्तों की राशि ही मिली है। जनदर्शन में धुरीपारा मंगला निवासी पुरूषोत्तम पटेल ने कृषि भूमि में उनके पिताजी के नाम की जगह अन्य व्यक्ति का नाम ऑनलाईन दिखाने की शिकायत की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलगहना के सेवानिवृत्त पुरूष पर्यवेक्षक ने कलेक्टर से सेवानिवृत्ति के पश्चात जीपीएफ राशि का अंतिम भुगतान दिलाने की गुहार लगाई वहीं सीपत तहसील के उच्चभट्ठी निवासी किसान संतराम एवं गिरधारी लाल सूर्यवंशी ने किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने की शिकायत की है सभी मामलों में अफसरों को कार्यवाही के निर्देश दिए गए राम केयर में मरीजों से दुर्व्यवहार की शिकायत, जांच होगी आजाद नगर निवासी शैलेन्द्र सिंह ठाकुर ने कलेक्टर से शिकायत की है कि नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर अस्पताल में आयुष्मान योजना के मरीजों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

महतारी वंदन योजना से सविता सिंह बनीं आत्मनिर्भर, सिलाई से बदल रही जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है यह योजना अब केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रहकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है इसका प्रेरक उदाहरण विकासखंड भरतपुर के ग्राम चांटी की निवासी सविता सिंह हैं जिन्होंने इस योजना का लाभ लेकर अपने जीवन की दिशा बदल दी महतारी वंदन योजना के तहत सविता सिंह को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त होती है उन्होंने इस राशि को खर्च करने के बजाय बचत करना शुरू किया और अपनी ओर से कुछ राशि जोड़कर एक सिलाई मशीन खरीदी यह छोटा सा निर्णय उनके जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया सिलाई मशीन मिलने के बाद सविता सिंह ने सिलाई कार्य की शुरुआत की धीरे-धीरे उन्होंने अपने हुनर को निखारा और आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। यह कार्य न केवल उनकी आमदनी का जरिया बना, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत किया है। अब सविता सिंह अपनी आय से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत हो रही है सविता सिंह की सफलता से गांव की अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं ग्रामीणों के अनुसार उनकी मेहनत और लगन महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है सविता सिंह ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रही है यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा, थोड़ी आर्थिक सहायता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कोई भी महिला अपने जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

पुलिस ने छात्रों को साइबर-क्राइम से बचने के तरीके बताए: आईटीआई कोनी में जागरूकता सत्र, फ्रॉड होने पर 1930 पर कॉल की अपील

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। पुलिस ने छात्रों को ऑनलाइन गेमिंग और साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए मॉडल आईटीआई, कोनी में आयोजित साइबर जागरूकता सत्र में पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करने और बैंक को सूचना देने की अपील की आमजन को अपराधों से सुरक्षित रखने के लिए बिलासपुर पुलिस 'चेतना अभियान' चला रही है इसी क्रम में मंगलवार को मॉडल आईटीआई, कोनी में विशेष सत्र आयोजित किया गया सत्र में नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी कोतवाली) गगन कुमार और एसीसीयू बिलासपुर से उप निरीक्षक हेमंत आदित्य ने छात्रों को साइबर सुरक्षा की विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान छात्रों को साइबर अपराध की परिभाषा, प्रकार और कार्यप्रणाली (मोडस ऑपरेंडी) समझाई गई डिजिटल अरेस्ट, साइबर एक्सटॉर्शन, साइबर फिशिंग, फेक कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग जैसे अपराधों को जीवन से जुड़े उदाहरणों के जरिए आसान भाषा में बताया गया पुलिस अधिकारियों ने ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले आर्थिक और मानसिक नुकसान पर विशेष जोर दिया। छात्रों को सलाह दी गई कि ओटीपी, पासवर्ड, बैंक से जुड़ी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें और अपने बैंक को सूचित करें समय पर कार्रवाई से नुकसान को रोका जा सकता है सतर्क रहें, जागरूक रहें।

समाज कल्याण विभाग की संवेदनशील पहल: व्हीलचेयर मिलने से दो दिव्यांग महिलाओं की जिंदगी बदली

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। समाज कल्याण विभाग, जिला एमसीबी द्वारा दिव्यांगजनों के जीवन को सरल, सुगम और सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की गई जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पात्र हितग्राहियों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण वितरित किए गए कार्यक्रम के तहत खोंगापानी क्षेत्र की दो दिव्यांग महिलाओं– रामकली एवं तेतरा बाई–को आवागमन में सुविधा हेतु व्हीलचेयर (ट्राइसाइकिल) प्रदान की गई इस सहायता से उनके दैनिक जीवन में न केवल आसानी आएगी बल्कि वे आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगी अब तक सामान्य कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने वाली इन महिलाओं के लिए यह सहयोग नई उम्मीद लेकर आया है व्हीलचेयर प्राप्त करने के बाद दोनों के चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट दिखाई दी उन्होंने भावुक होकर समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मदद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी विभागीय अधिकारियों के अनुसार, प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाया जा रहा है विभाग का उद्देश्य है कि कोई भी दिव्यांगजन सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही को दर्शाती है जो जरूरतमंदों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बुरहानपुर जिला अस्पताल में फायर मॉक ड्रिल

गर्मी के मद्देनजर आग बुझाने की तैयारियां परखी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिला अस्पताल में गर्मी के मौसम को देखते हुए फायर प्रबंधन द्वारा बुधवार दोपहर डेढ़ बजे मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने के लिए अस्पताल की तैयारियों का आकलन करना था। यह मॉक ड्रिल सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके की उपस्थिति में संपन्न हुई। मॉक ड्रिल के दौरान, पाइप से पानी डालकर यह जांचा गया कि आग बुझाने के उपकरण कितनी दूरी तक प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक घंटे का समय लगा, जिसमें अस्पताल के स्टाफ के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों ने भी भाग लिया। जिला अस्पताल के सहायक प्रबंधक धीरज चौहान ने बताया कि बुरहानपुर जिले में बढ़ती गर्मी के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से फायर विभाग ने यह मॉक ड्रिल की। इसमें अस्पताल में लगे फायर संबंधी सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने जानकारी दी कि आग लगने की स्थिति में कितने समय में उस पर काबू पाया जा सकता है, यह जांचने के लिए मॉक ड्रिल की गई थी। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में आग से निपटने के लिए सभी आवश्यक साधन उपलब्ध हैं और यह मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न हुई। गर्मी के दिनों में हर साल अस्पताल प्रबंधन द्वारा पहले से ही व्यवस्थाओं की जांच के लिए ऐसी मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है।

मंदसौर में महिला ने पानी समझकर पिया फिनाइल

बकरियां चराकर लौटने के बाद हुई घटना, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के रेवास देवड़ा गांव में एक महिला द्वारा गलती से फिनाइल पी लेने का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय रेखा पति सुरेश बावरी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार रेखा मंगलवार रात बकरियां चरा कर घर लौटी थी। थकान के चलते वह घर के अंदर जाकर बैठ गई। इसी दौरान पास में रखी एक बोतल को पानी समझकर उसने फिनाइल पी लिया। दरअसल घर में फिनाइल बकरियों के आसपास छिड़काव के लिए रखा गया था, ताकि किसी प्रकार का संक्रमण न फैले और जानवर सुरक्षित रहें।

उल्टियां शुरू होने पर खुला मामला : रेखा के पति सुरेश बावरी ने बताया कि वे उस समय बकरी का दूध निकाल रहे थे। इसी दौरान उन्हें रेखा की तबीयत बिगड़ने और उल्टियां होने की जानकारी मिली। जब उन्होंने जांच की तो पता चला कि रेखा ने गलती से फिनाइल पी लिया है। पूछने पर रेखा ने बताया कि उसने उसे पानी समझकर पी लिया।

समय पर अस्पताल पहुंचाने से बची जान : घटना के बाद परिजन तत्काल रेखा को जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि समय पर अस्पताल पहुंचाने के कारण महिला की हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है।

चित्तौड़गढ़ में 3.300 किलो अवैध अफीम जब्त

नारकोटिक्स ब्यूरो ने तस्कर को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) नीमच ने नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। ब्यूरो की टीम ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में दबिश देकर 3.300 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसकी बाइक भी जब्त की गई है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिली थी। इसके अनुसार, एक शख्स अपनी हीरो स्प्लेंडर प्रो बाइक (ऋझ 09 SX 6100) पर चिकरड़ा गांव क्षेत्र से भारी मात्रा में अफीम लेकर मारवाड़ क्षेत्र के किसी बड़े तस्कर को सप्लाई करने वाला था।

प्लास्टिक बैग से 3.300 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद: इस सूचना के आधार पर नीमच तृतीय खंड से एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर निगरानी रखी और निंबाहेड़ा-मंगलवाड़ रोड पर गांव नपावली के पास घेराबंदी की। मुखबिर की सूचना पर हुलिए वाली बाइक के वहां पहुंचते ही टीम ने उसे रोक लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास मौजूद एक प्लास्टिक बैग से 3.300 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया।

दुकान चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

अहमदाबाद से आए थे चोरी करने, वारदात को अंजाम देने के बाद ट्रेन से गए वापस

मीडिया ऑडीटर, झाबुआ (निप्र)। झाबुआ जिले की मेघनगर पुलिस ने ब्लॉक ऑफिस चौराहा स्थित एक दुकान में हुई चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चालाकी से वारदात को अंजाम दिया था, लेकिन पुलिस की सक्रियता और साइबर सेल की मदद से वे पकड़े गए। यह घटना 17 फरवरी की रात की है। बदमाशों ने नीलेश भानपुरिया की जयदीप एजेंसी नामक कोल्डड्रिंक की दुकान का शटर तोड़ा था। दुकान से नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी किए गए थे। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल गुर्जर के निर्देशन और एसडीओपी राजेश सिंह व थाना प्रभारी दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में जांच की गई। सेल की जांच में सामने आया कि आरोपी कालिया वसुनिया, प्रेम वसुनिया और उनका एक नाबालिग साथी अहमदाबाद से साबरमती ट्रेन से मेघनगर पहुंचे थे। वे रात 11 बजे मेघनगर आए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

वारदात के बाद, आरोपियों ने सुबह 4 बजे की ट्रेन पकड़कर वापस अहमदाबाद के लिए फरार हो गए ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने मुखबिरों और तकनीकी माध्यमों से उनका पीछा किया। जैसे ही आरोपी अपने निवास स्थान शीतला माता फलिया पहुंचे, पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी किया गया सामान और बची हुई नकदी बरामद की है। उनके पास से धारदार हथियार भी मिले हैं। इस पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को थांदला न्यायालय में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्हें जिला जेल झाबुआ भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में मेघनगर थाना प्रभारी दिनेश शर्मा, उनकी टीम और झाबुआ साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दतिया में बस ने कार को मारी टक्कर, महिला की मौत

पति और डेढ़ साल की बेटी गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, दतिया, (निप्र)। दतिया जिले के बड़ौनी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक तेज रफ्तार बस ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और डेढ़ साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक, होलीपुरा निवासी प्रशांत निचरेले मंगलवार रात अपनी पत्नी श्वेता निचरेले और डेढ़ साल की बेटी के साथ वरना कार से बाहर गए थे। जब यह परिवार झांसी चुंगी क्षेत्र से अपने घर लौट रहा था, तभी पटवारी फार्म हाउस के सामने यह हादसा हो गया।

दमोह-अज्ञात वाहन ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर

एक की मौत; दूसरा घायल, घटेरा के पास हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। दमोह,एजेंसी। दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना में एक अन्य युवक घायल हो गया, जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। यह घटना बनवार चौकी के अंतर्गत घटेरा के समीप हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खर्रा घाट इमलिया निवासी 19 वर्षीय अजय पिता लक्ष्मण सिंह और घटेरा निवासी 23 वर्षीय अभिषेक पिता तरवर सिंह मंगलवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

रास्ते में हुई मौत : दोनों घायलों को उपचार के लिए दमोह जिला अस्पताल लाया गया। अजय की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जबलपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। अजय के शव को वापस जिला अस्पताल के शवगृह में रखा गया। वहीं, दूसरे घायल अभिषेक का उपचार दमोह जिला अस्पताल में जारी है। मंगलवार दोपहर मृतक अजय का पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। बनवार चौकी प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि इमलिया गांव निवासी युवक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई थी। उन्होंने पुष्टि की कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

सागर में ट्रक-कंटेनर की टक्कर, ड्राइवर स्टेयरिंग में फंसा

बम्होरी बीका के पास हाईवे पर आमने-सामने भिड़े वाहन, बाड़ी तोड़कर निकाला

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर बम्होरी बीका के पास बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक और कंटेनर की टक्कर हो गई, जिसमें ट्रक ड्राइवर स्टेयरिंग में फंस गया और उसे बाड़ी तोड़कर बाहर निकालने के बाद बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह एक ट्रक नरसिंहपुर की ओर से सागर की तरफ आ रहा था। तभी नेशनल हाईवे पर बम्होरी बीका के पास सामने से आ रहे एक कंटेनर से ट्रक की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर स्टेयरिंग में ही फंस गया।

ग्रामीणों और पुलिस ने बाड़ी तोड़कर निकाला : हादसा देखकर आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और फंसे हुए ड्राइवर को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। ग्रामीणों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक की बाड़ी तोड़कर स्टेयरिंग में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला।

हाईवे पर लगा जाम, ड्राइवर की पहचान नहीं : हादसे के समय ट्रक में ड्राइवर अकेला ही था, जिसे बेहोशी की हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, घायल ड्राइवर की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। घटना के कारण हाईवे पर जाम लग गया था और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। सिविल लाइन पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया और घटना के कारणों की जांच कर रही है।

रायसेन में खाद-गेहूं से भरे दो ट्रक पलटे

बेगमगंज में 500 फीट तक रेलिंग तोड़ता गया ट्रक

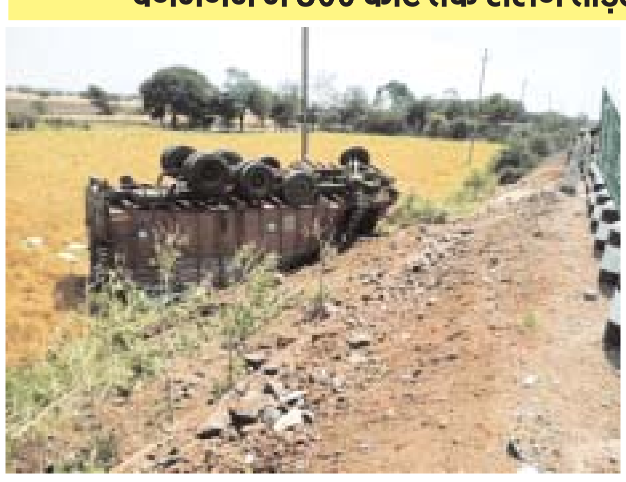

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में बुधवार को दो अलग-अलग सड़क हादसे सामने आए। पहला हादसा बेगमगंज के पास हुआ, जहां खाद से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे खेत में जा गिरा। बताया जा रहा है कि ट्रक विदिशा से बेगमगंज की ओर जा रहा था। हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई।

500 फीट तक रेलिंग तोड़ता गया ट्रक : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक करीब 500 फीट तक रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिरा। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और डायल 112 की टीम ने चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। टीम में हेड कांस्टेबल श्याम रघुवंशी और पायलट मोहम्मद शाहिद शामिल थे। बताया जा रहा है कि चालक नशे की हालत में था।

दीवानगंज में दूसरा हादसा, ट्रक पलटा : दूसरा हादसा भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर दीवानगंज के पास हुआ। यहां विदिशा से इंदौर गेहूं लेकर जा रहा ट्रक सामने से आ रही कार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान ट्रक का पहिया सड़क किनारे लगे बिजली के लोहे के खंभों पर चढ़ गया, जिससे टायर फट गया और हादसा हो गया।

चालक और क्लीनर गंभीर घायल : इस हादसे में ट्रक चालक और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को सांची अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें विदिशा रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है।

बागेश्वर धाम में आरती के दौरान हादसा

दीपक से बिहार से आई महिला की साड़ी में लगी आग

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में आरती के दौरान जमीन पर रखे दीपक से बिहार निवासी 46 वर्षीय महिला की साड़ी में आग लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है।

बिहार के करियाघाट गांव (थाना पठिया) निवासी 46 वर्षीय मंगला देवी पत्नी महेंद्र परिजनों के साथ मंगलवार को बागेश्वर धाम दर्शन के लिए आई थीं। आरती के समय गदा स्थल के पास नीचे जमीन पर दीपक रखे हुए थे। इसी दौरान मंगला देवी की साड़ी दीपक की लौ की चपेट में आ गई और आग तेजी से फैल गई।

सेवादारों ने कंबल डालकर बचाई जान : साड़ी में आग लगने के बाद धाम परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों और धाम के सेवादारों ने तुरंत कंबल और अन्य साधनों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद धाम प्रबंधन ने महिला को बिना देर किए इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

बर्न वार्ड में चल रहा महिला का इलाज : डॉक्टरों के मुताबिक, आग लगने से महिला के हाथ, पैर और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए हैं।

वर्तमान में महिला की हालत स्थिर बनी हुई है। जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में घायल महिला का इलाज किया जा रहा है।

कार्रवाई तेज, फिर भी जिंदा साइलेंट नशे का नेटवर्क!

रीवा रेंज आईजी की चेतावनी घर घर सतर्कता ही बचाएगी युवा पीढ़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा रेंज में नशे के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है लेकिन इसके बावजूद साइलेंट और मेडिकल नशे का नेटवर्क चोरी छिपे अपने पैर पसारता जा रहा है। इस गंभीर हालात को देखते हुए रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने अभिभावकों और समाज के हर वर्ग से सतर्क रहने की बड़ी अपील की है।

आईजी गौरव राजपूत ने साफ शब्दों में कहा कि अब केवल पुलिस कार्रवाई से इस समस्या पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं है। इसके लिए हर घर हर परिवार और पूरे समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने बताया कि रेंज की पुलिस लगातार दबिश जांच और गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई कर नशा कारोबारियों पर शिकंजा कस रही है लेकिन तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर इस नेटवर्क को जिंदा रखने की कोशिश में लगे हैं।

रीवा और आसपास के क्षेत्रों में गली मोहल्लों के जरिए चोरी छिपे मेडिकल नशा युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है। खासकर कोरेक्स जैसे नशीले कफ सिरप और अन्य दवाओं का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है जो युवाओं को धीरे-धीरे अपनी गिरफ्त में ले रहा है। यही वजह है कि इसे साइलेंट नशा कहा जा रहा है, क्योंकि इसके संकेत शुरुआती दौर में आसानी से नजर नहीं आते।

आईजी ने कहा कि चाहे जितनी सख्ती कर ली जाए लेकिन जब तक समाज जागरूक नहीं होगा यह समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकती। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस अब जागरूकता अभियान पर भी जोर दे रही है। स्कूलों और कॉलेजों में जाकर छात्रों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया जा रहा है ताकि वे इस जाल में फंसने से बच सकें।

उन्होंने अभिभावकों को विशेष रूप से आगाह करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों की दिनचर्या संगत और व्यवहार पर नजर रखें। यदि बच्चा अचानक चिड़चिड़ा हो जाए अकेलापन पसंद करने लगे या पढ़ाई से दूरी बनाने लगे तो यह साइलेंट नशे का संकेत हो सकता है। ऐसे मामलों में तुरंत सतर्क होकर सही कदम उठाना बेहद जरूरी है।

आईजी गौरव राजपूत ने यह भी कहा कि जिन परिवारों के बच्चे पहले से नशे की लत में फंस चुके हैं, वे इसे छिपाने के बजाय इलाज और सुधार की दिशा में कदम बढ़ाएं। सही मार्गदर्शन काउंसलिंग और सहयोग से बच्चों को इस दलदल से बाहर निकाला जा सकता है।

इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक संगठनों पत्रकारों और नशा मुक्ति से जुड़े संस्थानों से भी आगे आने की अपील की। उनका कहना है कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। जनता की सक्रिय भागीदारी से ही इस नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सकता है। रीवा रेंज में मेडिकल नशे का बढ़ता दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। पुलिस की सख्ती के बावजूद तस्कर चोरी छिपे अपने मंसूबों को अंजाम दे रहे हैं, जो यह साफ संकेत देता है कि यह लड़ाई केवल कानून की नहीं बल्कि पूरे समाज की है।

अंत में आईजी गौरव राजपूत ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो धीरे-धीरे व्यक्ति परिवार और समाज को अंदर से खोखला कर देती है। इसलिए जरूरी है कि हर व्यक्ति जागरूक बने और इस मुहिम में अपना योगदान दे, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस जहर से बचाया जा सके।

लैंगर-मूडी ने मैदानकर्मियों को भेंट की एलएसजी की जर्सी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। आगामी सीजन की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के हेड कोच जस्टिन लैंगर और क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मैदानकर्मियों को जर्सी भेंट की। एलएसजी की टीम आईपीएल 2026 में अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर करेगी।

इसके बाद टीम अपना अगला मुकाबला 5 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। आईपीएल 2026 के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक, लखनऊ सुपर जायंट्स को 4 मैच खेलने हैं। ऋषभ पंत की कप्तानी में एलएसजी 9 अप्रैल को ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी। वहीं, 12 अप्रैल को टीम का सामना घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से होगा। लखनऊ टीम की तैयारियां जोरों पर हैं। कई खिलाड़ी टीम के कैंप से जुड़ चुके हैं और जमकर ट्रेनिंग कर रहे हैं। ऋषभ पंत और मोहम्मद शमी के भी जल्द कैंप से जुड़ने की उम्मीद है। लैंगर और मूडी के मैदानकर्मियों को भेंट की गई नई जर्सी की तस्वीरें शेयर करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे मैदानकर्मियों के लिए, सीधे हमारे दिल से।'

सोमवार से शुरू हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रेनिंग सेशन के दौरान बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी अब्दुल समद और हिम्मत सिंह के साथ-साथ ऑलराउंडर आयुष बदोनी, शाहबाज अहमद और अर्शिन कुलकर्णी ने नेट्स में प्रभावित किया। अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, आवेश खान के पेस अटैक ने अपनी रफ्तार और शानदार लाइन एंड लेंथ के लिए कोचिंग स्टाफ से तारीफ बटोरी। सभी खिलाड़ियों को जस्टिन लैंगर और टॉम मूडी सेशन के दौरान अहम सलाह देते हुए भी नजर आए। सहायक कोच कोच लांस क्लूजनर और भरत अरुण ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कड़ी नजर बनाए रखी।

2022 में डेब्यू करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि, पिछले दो सीजन टीम के लिए निराशाजनक रहे हैं। ऋषभ पंत की कप्तानी में आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने सातवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। टीम 14 में से सिर्फ 6 मुकाबलों में ही जीत दर्ज कर सकी थी।

ईरान के 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' में खेलने पर गहराया संकट

मैच शिफ्ट करने पर बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान का 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' में हिस्सा लेना मुश्किल नजर आ रहा है। ईरान का फुटबॉल फेडरेशन बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण अमेरिका में होने वाले अपने मैचों को मेक्सिको में शिफ्ट करने के लिए फीफा से बातचीत कर रहा है।

ईरानी फुटबॉल प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने इस डेवलपमेंट को कन्फर्म किया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आश्वासन एक बड़ा मुद्दा है। ताज ने मेक्सिको में ईरानी दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' से शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा, 'जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरानी नेशनल टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका नहीं जाएंगे। हम ईरान के वर्ल्ड कप मैच मेक्सिको में कराने के लिए फीफा से बातचीत कर रहे हैं।' ये चिंताएं 2026 में ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बाद चल रहे संघर्ष से पैदा हुई हैं, जो फरवरी के आखिर में शुरू हुए थे। इन हमलों ने क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा दिया है। ईरान के खेल मंत्री ने पहले स्थिति की गंभीरता का संकेत देते हुए कहा था कि नेशनल टीम शायद प्लान के मुताबिक टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाए।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान को हिस्सा लेने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन उन्होंने इस मामले की गंभीरता को भी समझा। उन्होंने कहा कि टीम का स्वागत है, पर साथ ही यह भी कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए अमेरिका में खेलना उनके लिए सही नहीं होगा।

ईरान ने अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की सह-मेजबानी वाले 48 टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लिया था। 25 मार्च 2025 को ईरान विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने वाली पहली एशियन टीम बना था। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, उसे लॉस एंजिल्स में दो ग्रुप मैच और सिएटल में एक मैच खेलना है।

हालांकि, दिन-प्रतिदिन बिगड़ते हालातों को देखते हुए ईरान की अचानक टूर्नामेंट से हटने की संभावना काफी बढ़ गई है। ईरान अगर टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लेता है, तो फीफा को आखिरी समय में रिप्लेसमेंट का फैसला लेना पड़ सकता है।

हालांकि, एशियाई फुटबॉल परिसंघ का कहना है कि ईरान के टूर्नामेंट से हटने की अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। ईरानी फेडरेशन ने हिस्सा लेने के अपने इरादे की पुष्टि की है, हालांकि तेजी से बदलते हालात उनके आखिरी फैसले को लेकर अभी भी अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका: चोट के चलते टी20 सीरीज से बाहर हुए जॉर्डन हरमन

हैमिल्टन, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हरमन हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं, जिसके चलते अब वह बचे हुए 4 टी20 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। रविवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में ही जॉर्डन हरमन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। इस मुकाबले में फील्डिंग करते हुए हरमन चोटिल हो गए थे और मुकाबले में आगे हिस्सा ले सके थे। हरमन के स्कैन में ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है। हालांकि, प्रोटियाज टीम ने अभी तक हरमन के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' के जरिए इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, 'जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बाकी मैच से दाई हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर हो गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज को यह चोट रविवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में अपने डेब्यू मैच में फील्डिंग करते समय लगी और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। हरमन बल्लेबाजी करने भी नहीं उतरे थे। बाद में स्कैन से ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है। रिप्लेसमेंट के लिए किसी का नाम नहीं लिया गया है।' पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन शानदार रहा था। केशव महाराज की कप्तानी में प्रोटियाज टीम ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम सिर्फ 91 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। नकोबानी मोकोएना ने अपने डेब्यू मैच में ही बेहतरीन बॉलिंग करते हुए 3.3 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि गेराल्ड कोएत्जी ने 14 रन देकर 2 विकेट निकाले थे। वहीं, कप्तान केशव महाराज ने भी 25 रन देकर 2 विकेट झटके थे। 92 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने सिर्फ 3 विकेट खोकर 16.4 ओवर में हासिल कर लिया था। टीम की ओर से कॉनर एस्टरहुइजन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 48 गेंदों में 45 रन नाबाद रहे थे। डियान फॉरेस्टर ने भी 16 रनों का योगदान दिया था और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे थे।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स से जुड़े वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़ गए हैं। राजस्थान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स अपने अभियान का आगाज 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ करेगी। पिछले सीजन राजस्थान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम 14 मुकाबलों में से सिर्फ 4 में ही जीत दर्ज कर सकी थी। राजस्थान ने 9वें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान ने रियान पराग को कप्तान बनाया है। राजस्थान की ओर से इस बार रवींद्र जडेजा और सैम करन खेलते हुए दिखाई दे देंगे। टीम ने जडेजा और करन को संजू सैमसन के बदले चेन्नई सुपर किंग्स से ट्रेड किया है। वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में शानदार रहा था। 14 वर्षीय बल्लेबाज ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 7 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 252 रन बनाए थे। वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे।

मुंबई इंडियंस के स्क्वाड से जुड़े रोहित शर्मा

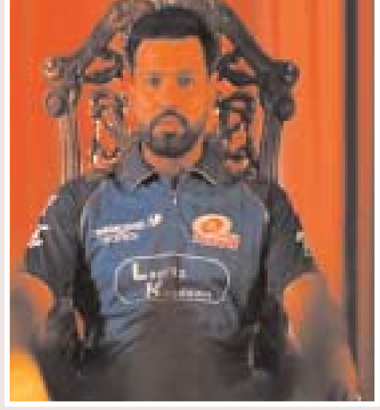

नई दिल्ली, एजेंसी । आईपीएल 2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल के नए सीजन के लिए स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मंगलवार को मुंबई इंडियंस के स्क्वाड से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में एमआई ने बताया कि हिटमैन नए सीजन से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं! सोमवार को मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा का एक और वीडियो जारी कर कहा था कि मुंबई का बादशाह आ चुका है। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा काफी लंबे वक्त से खेल रहे हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस पांच बार आईपीएल चैंपियन बन चुकी है। आईपीएल में रोहित शर्मा के पास काफी अनुभव है, जिसका फायदा एमआई को मिलता है। मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को आईपीएल 2026 के लिए 16.30 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। रोहित शर्मा के आईपीएल करियर की बात करें तो हिटमैन अब तक 272 मुकाबले खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 29.73 की औसत से 47 अर्धशतक और दो शतक जड़े हैं। आईपीएल में रोहित शर्मा का नाबाद 109 रन बेस्ट स्कोर है। रोहित ने इस लीग में 302 छक्के जड़े हैं। आईपीएल 2026 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस के खेमे में शामिल होकर शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडेय, अल्लाह गजांफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रॉबिन मिंज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, मोहम्मद इजहार और अश्वनी कुमार ने अभ्यास शुरू कर दिया है।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं। आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी। गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है। विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं। वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ को और मजबूती प्रदान करेंगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है। आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था।

वर्ल्ड कप वॉर्मअप मुकाबलों के लिए नेमार ब्राजील टीम से बाहर

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। दुनिया के सबसे मशहूर फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक नेमार को सोमवार को फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ फ्रेंडली मुकाबलों के लिए ब्राजील की टीम में जगह नहीं दी गई। यह मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के लिए इस साल के फीफा वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को फाइनल करने से पहले खिलाड़ियों को परखने का आखिरी मौका है। नेमार रविवार को अपनी हालिया चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौटे। वह ब्राजील के सीरी ए में 90 मिनट तक मैदान पर खेले और उन्होंने कोरिंथियंस के साथ सैंटोस के 1-1 के घरेलू ड्रॉ में एक असिस्ट भी किया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 27 लोगों की लिस्ट में नेमार के न होने के बावजूद एंसेलोटी ने 34 साल के खिलाड़ी के संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया। एंसेलोटी ने कहा, 'मैंने इस बार उन्हें टीम में क्यों नहीं रखा, क्योंकि वह 100 प्रतिशत फिट नहीं है और हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो 100 प्रतिशत फिट हों। नेमार अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो वह अभी वर्ल्ड कप की टीम में शामिल हो सकते हैं।' ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस से और पांच दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया से खेलेगा। साउथ अमेरिकन टीम अपना वर्ल्ड कप कैंपेन 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को ग्रुप सी में स्कॉटलैंड से ब्राजील का सामना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि नेमार को तकनीकी स्तर पर कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। नेमार को बाहर रखने का फैसला उनके बैकरूम स्टाफ के साथ मिलकर लिया गया था। रियल मैड्रिड के पूर्व बॉस ने कहा, 'यह एक शारीरिक मूल्यांकन है, तकनीकी नहीं। बॉल के साथ वह बहुत अच्छे हैं, लेकिन उन्हें शारीरिक तौर पर सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि कोचिंग स्टाफ और मेरे लिए वह अपनी काबिलियत के हिसाब से 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। यही वजह है कि उन्हें अपनी क्षमता के 100 प्रतिशत तक पहुंचने के लिए काम करना होगा। यह मेरी और स्टाफ में हर उस व्यक्ति की राय है जो उनके गेम देखते हैं।' ब्राजील की टीम में फ्लैमेंगो के सेंटर-बैक लियो परेरा, गैलाटसराय के मिडफील्डर गैब्रियल सारा, ब्रेंटफोर्ड के स्ट्राइकर इगोर थियागो और बोर्नमाउथ के फॉरवर्ड रेयान के रूप में 4 नए खिलाड़ियों को जगह दी गई है। ल्योन की तरफ से खेलते हुए शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ी एंड्रिक को भी टीम में रखा गया है।

ई-ऑफिस में समयबद्ध कार्य करने और उपस्थिति में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य सचिव ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित ई-ऑफिस सम्मान समारोह में जनवरी एवं फरवरी माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से नस्तियों के त्वरित निस्तारण और समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जनवरी माह की विभागीय रैंकिंग में गृह विभाग ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।

समाज कल्याण विभाग ने 86.76 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि धर्मस्व विभाग ने 86.58 प्रतिशत अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग से शासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, गति और

जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने सभी विभागों से इसी प्रकार दक्षता के साथ कार्य करने और निरंतर बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने की अपेक्षा की।

समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जनवरी माह में ई-ऑफिस में उल्लेखनीय कार्य करने वाले में संयुक्त सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की जयश्री जैन, द्वितीय स्थान में अनुसूचित जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री अनुपम त्रिवेदी, उप सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में सामान्य प्रशासन-एक के उप सचिव श्री किशोर कुमार भुआर्य, द्वितीय स्थान में सामान्य प्रशासन-6 के उप सचिव ऋतु वर्मा, तृतीय स्थान में समाज कल्याण विभाग के उप सचिव स्वर्गीय रामलाल खैरवार, अवर सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में विधि एवं विधायी विभाग के अवर सचिव अरूण कुमार मिश्रा, द्वितीय स्थान में अवर सचिव गृह विभाग पूरन लाल साहू, तृतीय स्थान में अवर सचिव सामान्य प्रशासन-1 के कैलाश कुमार नेताम, तृतीय स्थान में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री सत्य नारायण श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी श्रेणी में प्रथम स्थान में अनुभाग अधिकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मणिराम रात्रे, द्वितीय स्थान में अनुभाग अधिकारी सामान्य प्रशासन-(1, 4) के नंद कुमार मेश्राम, तृतीय स्थान में अनुभाग अधिकारी पंचायत विभाग लीलाम्बर ओहदार, वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक दौलतराम वर्मा, द्वितीय स्थान में खेल विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक मुकेश राम प्रधान, तृतीय स्थान में गृह विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक रामगोपाल सेन, कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में सामान्य प्रशासन-1 के कनिष्ठ सचिवालय सहायक राम कुमार सिंग, द्वितीय स्थान में जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ सचिवालय सहायक प्रदीप कुमार, तृतीय स्थान सामान्य प्रशासन विभाग-2 के कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्री सुरेन्द्र कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रेणी में प्रथम स्थान में वन विभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर माया देवांगन, द्वितीय स्थान में स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक ग्रेड-2 ललीत साहू, द्वितीय स्थान में (तकनीकी) कम्प्यूटर ऑपरेटर दीपेश कुमार साहू।

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई

214 छापे, 1013 सिलेंडर जत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में घरेलू एलपीजी की उपलब्धता और उपभोक्ताओं तक उसकी नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन द्वारा सतत निगरानी और समीक्षा की जा रही है। खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने खाद्य संचालक तथा सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ 17 मार्च 2026 को समीक्षा बैठक लेकर घरेलू एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था को और अधिक सुलभ बनाने के लिए व्हॉट्सएप नंबर, मोबाइल नंबर, आईवीआरएस और वेबसाइट यूआरएल के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। उन्होंने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा जारी नए बुकिंग नंबर (मोबाइल 8927225667 एवं आईवीआरएस 8391990070) को भी आमजन तक पहुँचाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 214 छापों में 1013 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं, जिनमें रायपुर जिले में सर्वाधिक 392 तथा बिलासपुर जिले में 201 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई सुनिश्चित करती है कि घरेलू गैस का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो और आम उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ मिल सके।

खाद्य सचिव कंगाले ने ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित एलपीजी बुकिंग को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी जिलों में एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई गई है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में कमर्शियल एलपीजी वितरण के लिए संतुलित और प्राथमिकता आधारित व्यवस्था लागू की गई है, ताकि अत्यावश्यक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित न हों। इसके तहत अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक बल कैम्प, जेल, हॉस्टल, समाज कल्याण संस्थान, रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट की कैंटीन को उनकी मासिक आवश्यकता के अनुरूप गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, भारत सरकार, राज्य सरकार एवं उनके सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालयों, कैंटीन एवं गेस्ट हाउस को उनकी विगत माहों के उपभोग का 50 प्रतिशत की सीमा तक, जबकि पशु आहार उत्पादक संयंत्र एवं बीज उत्पादक इकाइयों तथा होटल एवं रेस्टोरेंट को निर्धारित सीमा (20 प्रतिशत) के अंतर्गत कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।एलपीजी बुकिंग एवं आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए खाद्य विभाग का कॉल सेंटर (1800-233-3663 एवं 1967) सक्रिय है, जहां प्राप्त शिकायतों का ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर राहत मिल सके।

मातृ वंदन योजना में छत्तीसगढ़ ने ऐसे ही नहीं मारी बाजी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है।

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने की इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटान कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है।

जच्चा एवं बच्चा का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

स्व-सहायता समूह से बदली जिंदगी

डेयरी और खेती से 'लखपति दीदी' बनीं माधुरी जंघेल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खैरागढ़ छुईखदान, गंडई जिले के ग्राम पंचायत संडी, विकासखंड छुईखदान की निवासी माधुरी जंघेल आज स्व-सहायता समूह की बदौलत एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। पतंजली महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने डेयरी, कृषि और पशु आहार व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है और आज उनकी सालाना आय लगभग 5.50 लाख रुपये तक पहुंच गई है। माधुरी जंघेल वर्ष 2017 में पतंजली महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने से पहले वह केवल पारंपरिक कृषि कार्य करती थीं और सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। बच्चों की शिक्षा और परिवार की जरूरतों को पूरा करना भी कठिन था। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बैंक

लिंकेज और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कुल 9.50 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की शुरुआत की। समूह से प्रेरणा लेकर माधुरी जंघेल ने सबसे पहले 50 हजार रुपये की सहायता से पशुपालन विभाग के सहयोग से गाय पालन शुरू किया। शुरुआत में एक गाय से डेयरी व्यवसाय प्रारंभ किया, जिसे धीरे-धीरे बढ़ाकर आज पांच गायों तक पहुंचा दिया है। वर्तमान में उनके यहां से प्रतिदिन लगभग 40 लीटर दूध का उत्पादन होता है। वह दूध को देवभोग द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, संडी में 35 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचती हैं।

समिति से बोनस और पशु आहार के रूप में लगभग 10 रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त लाभ भी मिलता है। इस प्रकार दूध व्यवसाय से उन्हें औसतन प्रतिमाह लगभग 12 हजार रुपये और सालाना करीब 1.50 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। डेयरी के साथ-साथ माधुरी जंघेल ने पशु आहार का व्यवसाय भी शुरू किया है। वह राजनांदगांव से थोक दर पर पशु आहार खरीदकर गांव के पशुपालकों को उपलब्ध कराती हैं, जिससे उन्हें सालाना लगभग 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इसके अलावा उनके पास 4.5 एकड़ कृषि भूमि है, जिस पर वह हर साल दो फसल लेती हैं और इससे लगभग 3.50 लाख रुपये की आय अर्जित करती हैं। डेयरी, कृषि और पशु आहार व्यवसाय से उन्हें कुल मिलाकर करीब 5.50 लाख रुपये वार्षिक आय हो रही है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के बाद माधुरी जंघेल अब अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और पोषण पर विशेष ध्यान दे रही हैं। उन्होंने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए पतंजली संस्थान हरिद्वार भेजा है, जहां उनकी पढ़ाई पर प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख रुपये खर्च कर रही हैं।

अबूझमाड़ की बेटी वनिता नेताम ने 'आदि पर्व 2026' में रचा इतिहास

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवा रायपुर स्थित आदिवासी संग्रहालय में 13 एवं 14 मार्च 2026 को आयोजित 'आदि पर्व 2026' में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक देखने को मिली। इस आयोजन में प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के प्रतिभागियों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य, गीत और सांस्कृतिक परंपराओं की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से शामिल हुई प्रतिभागी वनिता नेताम ने पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में मंच पर अपनी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी पारंपरिक पोशाक और आभूषणों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया और उपस्थित दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम के दौरान

आयोजित ट्राइबल अटायर शो को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भाग लेकर वनिता नेताम ने भी अपना नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया, जो नारायणपुर जिले और अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। आदि पर्व 2026 का आयोजन आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत को संरक्षित करने तथा उसे देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम नागरिकों को बकाया बिजली बिल में राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 घरेलू उपभोक्ताओं के लिए संजीवनी बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से उन परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, जो आर्थिक तंगी के कारण लंबे समय से अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पा रहे थे और बढ़ते बकाया, ब्याज एवं सरचार्ज के कारण मानसिक एवं आर्थिक दबाव झेल रहे थे। इसी क्रम में सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के पोड़ी ग्राम पंचायत की निवासी सुनीता के जीवन में इस योजना ने नई उम्मीद जगाई है। सालों से बकाया बिजली बिल की चिंता में डूबी सुनीता को जब योजना का लाभ मिला, तो उनके चेहरे पर संतोष और खुशी के भाव नजर आया।

भारी बकाया बिल से मिली 75% तक की छूट: हितग्राही सुनीता ने बताया कि उनके घर का बिजली बिल बढ़ते-बढ़ते 19,970 रुपए तक पहुंच गया था। सीमित आय और ग्रामीण परिवेश के कारण इतनी बड़ी राशि एकमुश्त जमा करना उनके लिए संभव नहीं था। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के तहत उनके प्रकरण का त्वरित निराकरण किया गया और उन्हें लगभग 75 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई, जिससे उन्होंने मात्र 6,200 रुपए जमा कर अपना बकाया बिल चुकता कर लिया। सुनीता ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ते बिजली बिल को लेकर वे लगातार चिंतित रहती थीं और बिजली कटने का भय भी बना रहता था। योजना के माध्यम से मिली छूट ने उनकी चिंता को दूर कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें बड़ी राहत मिली है और अब वे निश्चिंत महसूस कर रही हैं।

अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना 2026 का उद्देश्य ऐसे घरेलू उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना है, जो विभिन्न कारणों से समय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाए थे। योजना के माध्यम से ब्याज एवं सरचार्ज में छूट देकर उपभोक्ताओं को राहत दी जा रही है, जिससे न केवल बकाया राशि की वसूली हो रही है, बल्कि आमजन के घरों में विद्युत आपूर्ति भी सुचारू बनी हुई है।

कोण्डागांव जिले का मांदरी नृत्य दल भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में करेगा छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला कोण्डागांव जिले का लिंगो घोटुल मांदरी नृत्य दल अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगा। यह दल नई दिल्ली में आयोजित भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। उल्लेखनीय है कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में इस दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के लिए देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों दल को सम्मानित भी किया गया था।

कलेक्टर कोंडागांव पन्ना ने जिले के मांदरी नृत्य दल के कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कोण्डागांव जिले के लिए गर्व का विषय है कि यहां के लोक कलाकारों का दल राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कलाकार अपनी प्रस्तुति से बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को देशभर में पहचान दिलाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य और कोण्डागांव जिले का नाम रोशन करेंगे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि भारत ट्राइब फेस्ट का आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज द्वारा 18 मार्च से 21 मार्च 2026 तक सुंदर नर्सरी, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों के कलाकार विभिन्न जनजातीय कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।

संघर्ष से सम्मान तक :

कपड़ा दुकान ने बदली गायत्री गुप्ता की दुनिया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी से जूझ रही एम सी बी जिले के ग्राम पंचायत तिलौली (विकासखंड भरतपुर) की गायत्री गुप्ता आज आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और सफलता की सशक्त पहचान बन चुकी हैं। जीवन की कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि अपने हौसले और मेहनत के बल पर न केवल अपनी किस्मत बदली, बल्कि अपने परिवार के भविष्य को भी नई दिशा दी। गायत्री के जीवन में एक समय ऐसा भी था जब वे आर्थिक परेशानियों से घिरी रहती थीं। घर की जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को साकार करना आसान नहीं था। लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने 'शेरावाली महिला स्व सहायता समूह' से जुड़कर अपने जीवन में बदलाव की पहली मजबूत नींव रखी।

समूह से जुड़ने के बाद उन्हें 70 हजार रुपये का ऋण प्राप्त

हुआ। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की उम्मीद और साहस का आधार बनी। उन्होंने इस अवसर को पहचाना और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने गांव में कपड़ों की दुकान शुरू की। शुरुआत के दिन आसान नहीं थे - ग्राहक कम थे, अनुभव सीमित था और चुनौतियां कई। लेकिन गायत्री ने हार नहीं मानी। हर दिन अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश की, ग्राहकों से विश्वास का रिश्ता बनाया और धीरे-धीरे उनका छोटा सा व्यवसाय आगे बढ़ने लगा। आज उनकी दुकान न केवल गांव, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी एक भरोसेमंद पहचान बन चुकी है।

इस व्यवसाय से गायत्री गुप्ता को प्रतिवर्ष लगभग 87 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। यह आय उनके परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब वे अपने घर की जरूरतों को आत्मसम्मान के साथ पूरा कर रही हैं, बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे पा रही हैं और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। आर्थिक उन्नति के साथ-साथ उनके जीवन में भावनात्मक बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है। जो महिला कभी आत्मविश्वास की कमी महसूस करती थीं, आज वही गायत्री गुप्ता आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी हैं। उनके चेहरे की मुस्कान, उनके आत्मविश्वास और उनके फैसलों में अब एक नई दृढ़ता दिखाई देती है।

गायत्री बताती हैं कि स्व सहायता समूह ने उन्हें केवल आर्थिक सहारा ही नहीं दिया, बल्कि जीवन जीने का नया नजरिया भी दिया। समूह की बैठकों, प्रशिक्षणों और आपसी सहयोग ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे भी कुछ बड़ा कर सकती हैं।

अम्बेडकर अस्पताल में 11 साल के बच्चे के दिल से चिपका दुर्लभ कैंसर निकाला, बना विश्व कीर्तिमान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जटिल और असंभव माने जाने वाले ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संभव बनाया है। विभाग की टीम ने 11 वर्ष के एक बच्चे के हृदय से चिपके अत्यंत दुर्लभ स्टेज-3 इनवेसिव थायमिक कैंसर (टाइप-बी थायमोमा) का सफल ऑपरेशन कर विश्व स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसमें खास बात यह है कि अब तक मेडिकल जर्नल में इस प्रकार के कैंसर का सबसे कम उम्र का मरीज 12 वर्ष का दर्ज है, जबकि राज्य में 11 साल के बच्चे में यह बीमारी पाई गई और उसका सफल ऑपरेशन भी किया गया। अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा यह जटिल सर्जरी की गई।

ऑपरेशन के छह माह बाद बच्चा पूरी

तरह स्वस्थ है और इस वर्ष उसने पुनः स्कूल जाना शुरू कर कक्षा छठवीं की परीक्षा भी दी है।

डॉक्टरों के अनुसार यह ट्यूमर सामान्यतः 40 से 60 वर्ष के लोगों में पाया जाता है और बच्चों में इसका मिलना अत्यंत दुर्लभ है। यह ट्यूमर हृदय, पेरिकार्डियम, फ्रेनिक नर्व महाधमनी (एओर्टा), मुख्य पल्मोनरी आर्टरी, लेफ्ट एट्रियम और फेफड़े से चिपका हुआ था। ऐसे मामलों में ट्यूमर को पूरी तरह निकाल पाना (आर-0 रिसेक्शन) लगभग असंभव माना जाता है, लेकिन अस्पताल में उपलब्ध हार्ट-लंग मशीन की मदद से यह संभव हो पाया।

ड्यूल एप्रोच तकनीक से हुआ ऑपरेशन: ट्यूमर का आकार बहुत बड़ा और कई अंगों से चिपका हुआ होने के कारण इसे निकालने के लिए ड्यूल एप्रोच तकनीक का उपयोग किया गया। इसके तहत मरीज के स्टर्नम (छाती की हड्डी) और पसली- दोनों स्थानों पर चीरा लगाया गया, जिसे मेडिकल भाषा में स्टर्नोटॉमी और थोरेक्टोमी कहा जाता है। मुख्य ट्यूमर के अलावा फेफड़े की प्लूरल कैविटी में फैले तीन अन्य सैटेलाइट ट्यूमर को भी सावधानीपूर्वक निकाला गया, ताकि भविष्य में कैंसर दोबारा फैलने की संभावना न रहे। निकाले गए ट्यूमर का आकार लगभग 12×8 सेंटीमीटर और वजन करीब 400 ग्राम था।

छह महीने से थी तकलीफ: चांपा निवासी कक्षा छठवीं में पढ़ने वाले इस बच्चे को करीब छह महीने से छाती में दर्द, भारीपन और सांस फूलने की शिकायत थी। जांच में पता चला कि उसके सीने में बड़ा ट्यूमर है, जो हृदय और मुख्य धमनियों से चिपका हुआ है। प्रदेश के कई अस्पतालों में ऑपरेशन से मना किए जाने के बाद मरीज को अम्बेडकर अस्पताल भेजा गया।

डॉ. कृष्णकांत साहू ने सीटी स्कैन देखने के बाद परिजनों को बताया कि ऑपरेशन अत्यंत जोखिम भरा है और सर्जरी के दौरान मरीज की जान को खतरा हो सकता है या ऑपरेशन बीच में रोकना पड़ सकता है। इसके बावजूद परिजनों ने सहमति दी और टीम ने सर्जरी का निर्णय लिया।

चार घंटे चली सर्जरी: ऑपरेशन के दौरान किसी भी आपात स्थिति के लिए हार्ट-लंग मशीन तैयार रखी गई थी। लगभग चार घंटे चली सर्जरी के दौरान हार्ट की झिल्ली, फ्रेनिक नर्व तथा फेफड़े के कुछ हिस्से को भी निकालना पड़ा। साथ ही हार्ट के लेफ्ट एट्रियम को भी रिपेयर किया गया क्योंकि ट्यूमर लेफ्ट एट्रियम से चिपका हुआ था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा